मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 127
बुधवार, 20 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

एनडीए या इंडिया गठबंधन, महाराष्ट्र और झारखंड में वोटिंग आज , तैयारी पूरी, 23 को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली, 19 नवम्बर । 20 नवंबर को महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों और झारखंड चुनाव के दूसरे चरण की शेष 38 विधानसभा सीटों पर मतदान के लिए वोट डाले जाएंगे। ये चुनाव न केवल किसी भी राज्य में क्षेत्रीय क्षत्रपों के लिए एक बड़ी परीक्षा के रूप में हैं। यह देश में विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए भी राष्ट्रीय कथानक को आकार देगा। एक ओर, महाराष्ट्र या झारखंड में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत लोकसभा चुनावों में अपने खराब प्रदर्शन के बोझ तले दबी सत्तारूढ़ सरकार को वापस पटरी पर ला देगी।

वहीं, दूसरी ओर, किसी भी राज्य में जीत विपक्षी इंडिया गुट के लिए गति वापस लाएगी और यह साबित करेगी कि हरियाणा में झटका एक भूल थी जबकि व्यापक भावना इसके पक्ष में बनी हुई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि चुनाव न केवल यह तय करेंगे कि ब्रांड मोदी समय की कसौटी पर खरा उतरा है या नहीं, बल्कि यह यह भी निर्धारित करेगा कि क्या दलित और ओबीसी, जो केंद्र और कई राज्यों में भाजपा की जीत के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं, लोकसभा चुनावों में पार्टी को छोड़कर वापस आ गए हैं।

दोनों ही राज्यों के चुनावी

नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र में 288 सीटों के लिए कुल 4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 2,086 स्वतंत्र दावेदार हैं। हालाँकि, इस बार, पिछले दो वर्षों में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग होने से राजनीतिक परिदृश्य अधिक खंडित है। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में से, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 149 उम्मीदवार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 81 उम्मीदवार और डिप्टी सीएम अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने 59 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। विपक्षी महा विकास अघाड़ी में, कांग्रेस ने 101 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के 95 उम्मीदवार और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के 86 उम्मीदवार मैदान में हैं।

झारखंड में दूसरे चरण के तहत 20 नवंबर को 38 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

दूसरे चरण की अधिसंख्य सीटें संथाल और कोयलांचल क्षेत्रों में स्थित हैं। इस चरण में भी कई दिग्गजों की किस्मत दांव पर रहने वाली है।

मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में उत्तर भारत, सो रहे देश के पर्यावरण मंत्री: गोपाल राय

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। दिल्ली का प्रदूषण गंभीर स्थिति में है। वहीं, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भाजपा औक केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति को लेकर आपातकालीन बैठक बुलाने के संबंध में दिल्ली सरकार के लगातार अनुरोध के बावजूद भाजपा के पर्यावरण मंत्री सो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से एक बार फिर प्रदूषण पर आपात बैठक बुलाने और कृत्रिम बारिश की अनुमति देने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हस्तक्षेप करना चाहिए, कार्रवाई करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है तथा केंद्र को प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

गोपाल राय ने कहा कि ग्रैप को

पूरे उत्तर भारत में लागू किया जाना चाहिए, भाजपा शासित राज्यों में नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम लगातार काम कर रहे हैं। हमने BS-III पेट्रोल चार पहिया वाहनों, BS-IV डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। बाहर से आने वाले सभी ट्रक, डीजल बसों पर रोक लगा दी गई है. 10वीं और 12वीं के लिए भी स्कूल बंद कर दिए गए हैं. तीसरा, कार्यालयों के लिए समय अलग-अलग कर दिया गया है। रही बात वर्क फ्रॉम होम की तो हम उस पर भी काम कर रहे हैं। जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। हम उस पर अमल भी करेंगे।

आप नेता ने कहा कि हम उन सभी चीजों पर काम कर रहे हैं जो हमारे हाथ में हैं और हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हम केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के साथ एक आपात बैठक की मांग कर रहे हैं ताकि हम जमीन पर सभी कार्रवाई कर सकें।

हम ऑड-ईवन पर भी चर्चा कर रहे हैं लेकिन अब एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि हमने इतनी पाबंदियां लगा दी हैं, लोग अब विचार कर रहे हैं कि इसका कितना असर होगा। उन्होंने कहा कि पूरा उत्तर भारत मेडिकल इमरजेंसी की चपेट में है।

डॉ राजीव द्विवेदी की पुस्तक मेरा यार नशा का विमोचन

कहा, साहित्य मनुष्य की सृष्टि है और इससे मनुष्य को दृष्टि मिलती है

वाराणसी। साहित्य मनुष्य की सृष्टि है और इससे मनुष्य को दृष्टि मिलती है। किताबें मनुष्य की सबसे बेहतर मित्र हैं। यह बातें दुगार्कुंड स्थित पिलग्रिम्स पब्लिशिंग हाउस परिसर में आयोजित एमिटी विश्वविद्यालय, ग्वालियर मैनेजमेंट विभाग के अध्यक्ष और स्टूडेंट्स वेलफेयर के एसोसिएट डीन प्रोफेसर राजीव द्विवेदी ने कहीं। इस मौके पर उनकी शायरी किताब मेरा यार नशा का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष डॉ अत्रि भारद्वाज ने कहा कि राजीव द्विवेदी की गजलें और नज्में जीवन की राह दिखाती है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रबंध शास्त्र विभाग के अध्यक्ष और

डीन प्रोफेसर सुजीत दुबे ने कहा कि साहित्य से हम अपने जीवन के शास्वत मूल्यों को समझ सकते हैं। काशी विश्वनाथ न्यास परिषद के ट्रस्टी पंडित दीपक मालवीय ने कि साहित्य से पहचान, कल्पना और सहानुभूति की अवधारणा विकसित होती है।

कार्यक्रम का संचालन डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ जेपी मिश्रा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन पिलग्रिम्स पब्लिशिंग के अधिष्ठाता रामानंद तिवारी ने किया।

मणिपुर को लेकर भाजपा पर बरसे पी चिदंबरम

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि 5,000 जवानों को मणिपुर ले जाना राज्य में संकट का समाधान नहीं है। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्य में अस्थिर स्थिति के लिए मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कांग्रेस के रुख को भी दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्थिति को संभालने के लिए खुद राज्य का दौरा करना चाहिए। चिदम्बरम की यह टिप्पणी जिरीबाम में हाल ही में हुई हत्याओं के विरोध में मैतेई समूह के सोमवार को सड़कों पर उतरने और कई सरकारी कार्यालयों पर ताला लगाने के बाद आई है।

चिदंबरम ने कहा कि 5000 से अधिक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस जवानों को भेजना मणिपुर संकट का समाधान नहीं है। यह अधिक

बुद्धिमानी है। यह स्वीकार करना कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह संकट का कारण हैं और उन्हें तुरंत हटाना है। केंद्र ने स्थिति से निपटने के लिए राज्य में लगभग 5,000 अर्धसैनिक बल भेजने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह अधिक समझ में आता है। मैतेई, कुकी-जो और नागा एक राज्य में तभी एक साथ रह सकते हैं जब उनके पास वास्तविक क्षेत्रीय स्वायत्तता हो। यह अधिक राजनेता कौशल हैः माननीय प्रधान मंत्री के लिए अपनी जिद छोड़कर, मणिपुर का दौरा करना, और मणिपुर के लोगों से विनम्रता के साथ बात करना और उनकी शिकायतों और आकांक्षाओं को प्रत्यक्ष रूप से जानना। कांग्रेस प्रधानमंत्री से मणिपुर राज्य के दौरे की मांग कर रही है। पार्टी ने गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की है। पहाड़ी जिले जिरीबाम में कांग्रेस और भाजपा के कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई है, जहां पहले एक अज्ञात शव मिला था, जिससे हिंसा भड़क गई थी। यह अशांति उन घटनाओं के बाद है जहां गुस्साई भीड़ ने इंफाल घाटी के विभिन्न जिलों में एक वरिष्ठ मंत्री और एक कांग्रेस विधायक सहित तीन भाजपा विधायकों के घरों में आग लगा दी, जहां अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाया गया है। सुरक्षा बलों ने शनिवार शाम आंदोलनकारियों को मणिपुर के मुख्यमंत्री के पैतृक घर पर हमला करने से रोक दिया. पिछले साल मई से अब तक इम्फाल घाटी के मेइतेई और आसपास की पहाड़ियों से कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा के कारण 220 से अधिक लोगों की जान चली गई है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

मलयालम अभिनेता सिद्दीकी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, रेप से जुड़े केस में दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मलयालम अभिनेता सिद्दीकी को एक अभिनेत्री द्वारा 2016 की घटना में उनके खिलाफ दर्ज कथित यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि अनुभवी अभिनेता को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और जांच में जांच अधिकारी के साथ सहयोग करना होगा। यह शिकायत न्यायमूर्ति हेमा आयोग की रिपोर्ट का नतीजा थी, जिसमें मलयालम सिनेमा में महिला कलाकारों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न और भेदभाव का विवरण दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले में शिकायत 2016 में हुई कथित घटना के आठ साल बाद अगस्त में दर्ज की गई थी।

चुनाव आते ही भाजपा के लोग धर्म और जाति की बात करते हैं : किशोरी लाल शर्मा

अमेठी (उप्र), 19 नवम्बर । अमेठी से कांग्रेस के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी चुनाव आते हैं तो इसके नेता धर्म और जाति और समाज को विभाजित करने की बात करते हैं। किशोरी लाल शर्मा यहां संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे जो अमेठी के दो दिवसीय दौरे पर हैं। बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर पूछे गए सवाल पर किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार और केंद्र में मोदी सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है।

शर्मा ने कहा कि इनके पास धर्म-जाति की राजनीति करने और समाज को बांटने के अलावा कोई कुछ नहीं है। ये बेरोजगारी की बात नहीं करते हैं, ये महंगाई की बात नहीं करते हैं और ये शिक्षा की बात नहीं करते हैं। उन्होंने आरोप

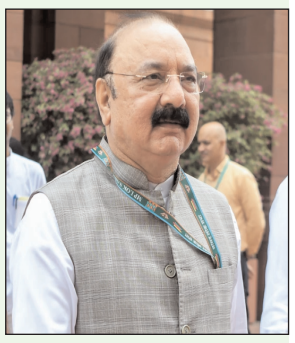

लगाया, ये भाई से भाई को लड़ाने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसी राजनीति को देश स्वीकार नहीं करता है और देश में सभी धर्म-जाति के लोग एक साथ मिलजुल कर रहना पसंद करते हैं। झांसी मेडिकल कॉलेज में आग लगने से हुई बच्चों की मौत को दुखद बताते हुए सांसद शर्मा ने कहा, यह उत्तर प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था में भारी कमियों का परिणाम है।

महाराष्ट्र चुनावः कैश कांड पर उद्धव ठाकरे ने भाजपा को घेरा

मुंबई, 19 नवम्बर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान शुरू होने से कुछ घंटे पहले भाजपा के एक वरिष्ठ नेता द्वारा पैसे बांटने के आरोपों के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को नोट जिहाद पर कटाक्ष किया। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े पर क्षेत्रीय संगठन बहुजन विकास अघाड़ी (बीवीए) द्वारा पालघर में मतदाताओं को नकदी बांटने का आरोप लगाया गया है, तावड़े और भाजपा ने इस आरोप से इनकार किया है। ठाकरे ने भारत के चुनाव आयोग से कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि केवल तावड़े के खिलाफ मामला दर्ज करना पर्याप्त नहीं होगा।

भाजपा नेताओं द्वारा लगाए गए नारे 'बटेंगे तो कटेंगे' और वोट जिहादर के दावों पर कटाक्ष करते हुए ठाकरे ने सवाल किया कि क्या यह बीजेपी का नोट जिहाद (वोट के लिए) है? 'बाटेंगे और जीतेंगे'। पूरे महाराष्ट्र ने इसे देखा है। महाराष्ट्र कल फैसला करेगा। ठाकरे ने कहा कि कुछ राज्यों में सरकारें गिराने और नई सरकारें बनाने में मदद करने के लिए तावड़े की सराहना की गई। अब इसके पीछे का राज खुलकर सामने आ गया है।

विरार के एक होटल में जोरदार ड्रामा हुआ, जहां तावड़े ठहरे हुए थे, जब बहुजन विकास अघाड़ी (बीवीए) के प्रमुख हितेंद्र ठाकुर ने भाजपा महासचिव पर मतदाताओं को पैसे बांटने का आरोप लगाया।

भाजपा ने इन दावों का खंडन किया और तावड़े ने दावा किया कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रक्रियाओं के बारे में मार्गदर्शन करने के लिए नालासोपारा में थे, और विपक्षी दलों को उनकी गतिविधियों को सत्यापित करने की चुनौती दी।

"स्वच्छ जल से ही स्वस्थ जीवन"
सस्ते एवं उचित दर पर, आपकी सेवा में समर्पित, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें
पुर्णिमा सर्विसेस
COMPLETE SOLUTIONS OF WATER TREATMENT
ALL TYPES WATER PURIFIER SERVICE
Email - purnima.services@gmail.com
8655185584
Shop No. 7, Gr. Floor , Prerna Tower, Diva - Shil Road , Diva (E) - 400612

THE DOCTORS COACHING
अब आपके विकास नगर लखनऊ में
Your Gateway to Success in NEET & Foundation Exams!
Powered by- Modern Kids Education Pvt.Ltd. (Since 1999)
NEET (UG) & FOUNDATION
Physics Chemistry Biology
Director Dr. Abid Khan PhD (USA)
9th, 10th, 11th & 12th
Smart Classes
Fully Air- Conditioned Classes
The Doctors Coaching Your Gateway to success in
NEET
a foundation exams!
ADMISSION OPEN NOW!
www.thedoctorcoaching.com | edu@thedoctorcoaching.com
+91- 7080403322, +91- 8400043322
Near LHPS, Friends Colony, Sector- 7, Vikas Nagar, Lucknow- 226022

भारत में शोषण एवं अपराधमुक्त नया बचपन उभरे

-ललित गर्ग

सार्वभौमिक बाल दिवस- 20 नम्बर, 2024

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में सार्वभौमिक बाल दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। इसकी स्थापना 1954 में हुई थी। 20 नवंबर एक महत्वपूर्ण तारीख है क्योंकि इसी दिन 1959 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों की घोषणा को अपनाया था। इसी दिन 1989 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल अधिकारों पर कन्वेंशन को भी अपनाया था। सार्वभौमिक बाल दिवस पहली बार 1925 में जिनेवा, स्विटजरलैंड में बाल कल्याण के विश्व सम्मेलन में घोषित किया गया था। हालाँकि, इसे आधिकारिक तौर पर दुनिया भर में मान्यता नहीं मिली, लेकिन 1954 में ब्रिटेन ने अन्य देशों को बच्चों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने और दुनिया भर में बाल कल्याण में सुधार की दिशा में कदम उठाने के लिए एक दिन स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। सार्वभौमिक बाल दिवस, जिसे विश्व बाल दिवस या सिर्फ बाल दिवस के नाम से भी जाना जाता है, दुनिया भर में बच्चों के सामने आने वाले मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। बाल अधिकारों की घोषणा बच्चों के अधिकारों को बढ़ावा देने वाला एक अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज है। इसे मूल रूप से मानवाधिकार कार्यकर्ता एग्लेंटाइन जेब ने प्रस्तावित किया था और 1924 में राष्ट्र संघ द्वारा अपनाया गया था, इससे पहले 1959 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसका विस्तारित संस्करण पेश किया गया था। एग्लेंटाइन जेब एक समाज सुधारक और पूर्व शिक्षिका थीं, जिन्होंने 1919 में सेव द चिल्ड्रन नामक चैरिटी की स्थापना की थी। प्रथम विश्व युद्ध के परिणामस्वरूप मुख्य भूमि यूरोप में बच्चों को जिस गरीबी का सामना करना पड़ रहा था, उससे वह भयभीत थीं और उन्होंने पर्चे बाँटकर जागरूकता फैलाने की कोशिश शुरू कर दी। उनके जुनून के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर जुर्माना लगाया गया, लेकिन जज उनसे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उनका जुर्माना खुद ही भर दिया।

जिनेवा में एक बाल सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें जेब ने बाल अधिकारों की घोषणा की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने लिखा कि बच्चे को उसके सामान्य विकास के लिए आवश्यक साधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए, भौतिक और आध्यात्मिक दोनों रूप से। जो बच्चा भूखा है उसे भोजन दिया जाना चाहिए, जो बच्चा बीमार है उसे दूध पिलाया जाना चाहिए, जो बच्चा पिछड़ा है उसकी मदद की जानी चाहिए, अपराधी बच्चे को वापस लाया जाना चाहिए, तथा अनाथ और बेसहारा बच्चे को आश्रय और सहायता दी जानी चाहिए। संकट के समय सबसे पहले बच्चे को राहत मिलनी चाहिए। बच्चे को आजीविका कमाने की स्थिति में रखा जाना चाहिए तथा उसे हर प्रकार के शोषण से बचाया जाना चाहिए। बच्चे को इस चेतना के साथ बड़ा किया जाना चाहिए कि उसकी प्रतिभाएं उसके साथियों की सेवा के लिए समर्पित होनी चाहिए। दुनिया भर में बच्चों की दुर्दशा के बारे में भावुकतापूर्वक बात करते हुए उस समय उजागर की गयी ये बातें आज भी अधिक प्रासंगिक बनी हुई है। इसलिये सार्वभौमिक बाल दिवस को अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की अपेक्षा है।

भारत के सन्दर्भ में सार्वभौमिक बाल दिवस को अधिक प्रासंगिक एवं कारगर बनाने की जरूरत है। भारत में ऐसे बड़े नेता और दिग्गज लोग हुए हैं, जिनका बच्चों के प्रति प्रेम जग-जाहिर है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू हों या पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम दोनों दिग्गजों ने बच्चों के हित में व्यापक कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने शानदार व्यक्तित्व और हर उम्र के लोगों से जुड़ने के लिए जाने जाते हैं। बच्चों के प्रति उनका स्नेह कुछ खास है। नेहरू की ही भाँति उन्हें भी बच्चों का प्रेमी कहा जा सकता है। आज वे एक विश्वनेता के रूप में उभरे हैं, अतः उन्हें देश या दुनिया के बच्चों के कल्याण के लिये कोई बड़ा उपक्रम करना चाहिए। विशेषतः भारत के बच्चों के लिये। क्योंकि भारत में बच्चों के शोषण, उत्पीड़न, दुर्दशा, हिंसा की घटनाएं कम होने का नाम नहीं ले रही है। बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और कल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पूरे भारत में बाल दिवस मनाया जाता है। मोदी बच्चों को देश के भविष्य की तरह देखते है। वे बच्चों के मासूम चेहरों और चमकती आँखों में भारत का भविष्य देख रहे हैं। उनका कहना है कि बच्चों का जैसा पालन-पोषण करेंगे वह देश का भविष्य निर्धारित करेगा।हम लेकिन भारत का यह बचपन रूपी भविष्य अब नशे, शोषण, बाल-मजदूरी एवं अपराध की दुनिया में धंसता चला जा रहा है। बचपन डरावना एवं भयावह हो गया है। आखिर क्या कारण है कि बचपन अपराध की अंधी गलियों में जा रहा है? बचपन इतना उपेक्षित एवं बदहाल क्यों हो रहा है? बचपन के प्रति न केवल अभिभावक, बल्कि समाज और सरकार इतनी बेपरवाह कैसे हो गयी है? यह और ऐसे अनेक प्रश्न सार्वभौमिक बाल दिवस की भारत के सन्दर्भ में प्रासंगिकता को उजागर करते हुए हमें झकझोर रहे हैं।

बाल मजदूरी से बच्चों का भविष्य अंधकार में जाता ही है, देश भी इससे अछूता नहीं रहता क्योंकि जो बच्चे काम करते हैं वे पढ़ाई-लिखाई से कोसों दूर हो जाते हैं और जब ये बच्चे शिक्षा ही नहीं लेंगे तो देश की बागडोर क्या खाक संभालेंगे? इस तरह एक स्वस्थ बाल मस्तिष्क विकृति की अंधेरी और संकरी गली में पहुँच जाता है और अपराधी की श्रेणी में उसकी गिनती शुरू हो जाती है। बचपन की उपेक्षा एक अभिशाप है। जब हम किसी गली, चौराहे, बाजार, सड़क और हाईवे से गुजरते हैं और किसी दुकान, कारखाने, रैस्टोरेंट या ढाबे पर 4-5 से लेकर 12-14 साल के बच्चे को टायर में हवा भरते, पंक्चर लगाते, चिमनी में मुंह से या नली में हवा फूंकते, जूठे बर्तन साफ करते या खाना परोसते देखते हैं और जरा-सी भी कमी होने पर उसके मालिक से लेकर ग्राहक द्वारा गाली देने से लेकर, धकियाने, मारने-पीटने और दुर्व्यवहार होते देखते हैं तो अक्सर हमें क्या लेना हैृ कहकर अपने रास्ते हो लेते हैं। लेकिन कब तक हम बचपन को इस तरह प्रताड़ित एवं उपेक्षा का शिकार होने देंगे। कुछ बच्चे ऐसी जगह काम करते हैं जो उनके लिए असुरक्षित और खतरनाक होती है जैसे कि माचिस और पटाखे की फैक्टरियां जहां इन बच्चों से जबरन काम कराया जाता है। इतना ही नहीं, लगभग 1.2 लाख बच्चों की तस्करी कर उन्हें काम करने के लिए दूसरे शहरों में भेजा जाता है। इतना ही नहीं, हम अपने स्वार्थ एवं आर्थिक प्रलोभन में इन बच्चों से या तो भीख मंगवाते हैं या वेश्यावृत्ति में लगा देते हैं। देश में सबसे ज्यादा खराब स्थिति है बंधुआ मजदूरों की जो आज भी परिवार की समस्याओं की भेंट चढ़ रहे हैं।

सच्चाई यह है कि देश में बाल अपराधियों की संख्या बढ़ती जा रही है। बच्चे अपराधी न बने इसके लिए आवश्यक है कि अभिभावकों और बच्चों के बीच बर्फ-सी जमी संवादहीनता एवं संवेदनशीलता को फिर से पिघलाया जाये। फिर से उनके बीच स्नेह, आत्मीयता और विश्वास का भरा-पूरा वातावरण पैदा किया जाए। श्रेष्ठ संस्कार बच्चों के व्यक्तित्व को नई पहचान देने में सक्षम होते हैं। अतः शिक्षा पद्धति भी ऐसी ही होनी चाहिए। मोदी सरकार सार्वभौमिक बाल दिवस जैसे आयोजनों को भारत में अधिक प्रभावी तरीके से आयोजित करें, सरकार को बच्चों से जुड़े कानूनों पर पुनर्विचार करना चाहिए एवं बच्चों के समुचित विकास के लिये योजनाएं बनानी चाहिए। ताकि इस बिगड़ते बचपन और राष्ट्र के नव पीढ़ी के कर्णधारों का भाग्य और भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। ऐसा करके ही हम सार्वभौमिक बाल दिवस को मनाने की सार्थकता हासिल कर सकेंगे। इसी से मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर कर सकेंगे।

दिल्ली में जोरो से चल रहा है राजनीतिक दल बदल का खेल!

अशोक भाटिया

दिल्ली की सभी 70 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव फरवरी 2025 या उससे पहले होने वाले हैं। दिल्ली की चुनावी राजनीति में आम आदमी पार्टी के एंट्री के बाद से, राजधानी में भाजपा , कांग्रेस और आप के बीच त्रिकोणीय मुकाबला रहता है। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल 15 फरवरी 2025 को समाप्त होने वाला है। अब भले ही 2025 के चुनाव में देर है पर उसके पहले तीनों मुख्य दल एक दूसरे के जिताऊ उम्मीदवारों को अपने पाले में करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे है । यहाँ तक कि इंडिया गठबंधन के दल कांग्रेस व आप पार्टी एक दूसरे के नेताओं को अपने पाले में करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है । दिल्ली विधानसभा चुनाव महज दो महीने बाद हैं, लेकिन इससे पहले दो सहयोगियों के बीच एक अनूठी लड़ाई चल रही है। क्ठउक्रअ ब्लॉक के दो घटक दलों- आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच एक दूसरे के नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करवाने की अनूठी प्रतियोगिता चल रही है। दोनों पार्टियां यूं तो भाजपा के खिलाफ लड़ने का दम भर रही हैं, लेकिन इस बीच कोशिश यही चल रही है कि कैसे एक दूसरे को कमजोर किया जाए। मजबूत नेताओं को पार्टी में शामिल करवाना यूं तो राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जाता है, लेकिन जो कुछ दिल्ली में चल रहा है उससे सवाल ये पैदा हो गया है कि क्या ये पार्टियां वाकई एक-दूसरे को कमजोर कर भाजपा से लड़ाई की तैयारी कर रही हैं?

शुरूआत करते है दिल्ली आप पार्टी की सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत से । उन्होंने मंत्री पद से हाल ही में इस्तीफा दे दिया । कैलाश गहलोत से पहले इस साल दिल्ली सरकार के एक मंत्री समेत कई नेता आम आदमी पार्टी छोड़ चुके हैं। दिल्ली के पिछले चुनाव से अब तक की बात करें तो आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले नेताओं की लिस्ट और भी लंबी हो जाती है। आइए नजर डालते हैं ऐसे ही नेताओं पर।

एक दिन पहले तक दिल्ली सरकार में मंत्री रहे कैलाश गहलोत आम आदमी पार्टी के पुराने नेताओं में से हैं। कैलाश गहलोत साल 2015 में आम आदमी पार्टी के टिकट पर पहली बार विधायक निर्वाचित हुए थे और तब से ही वह अरविंद केजरीवाल के सबसे करीबी नेताओं, दिल्ली सरकार के ताकतवर मंत्रियों में शामिल रहे हैं।कैलाश गहलोत ने परिवहन के साथ ही वित्त जैसा अहम विभाग भी संभाला है। मनीष सिसोदिया के जेल जाने के बाद कैलाश गहलोत ने ही 2023-24 के लिए दिल्ली सरकार का बजट पेश किया था। दिल्ली के सीएम पद से केजरीवाल के इस्तीफे के बाद कैलाश का नाम नए मुख्यमंत्री के लिए रेस में शामिल था। हालांकि, वह इस रेस में आतिशी से पीछे रह गए और अब उन्होंने दिल्ली सरकार में मंत्री पद के आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

कैलाश गहलोत के आम आदमी पार्टी छोड़ जाने से कुछ ही महीने पहले दिल्ली सरकार के एक पूर्व मंत्री ने भी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने सितंबर महीने के पहले हफ्ते में आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। राजेंद्र पाल गौतम दिल्ली में आम आदमी पार्टी के बड़े दलित चेहरों में से एक थे। राजेंद्र पाल गौतम 2020 के विधानसभा चुनाव में सीमापुरी सीट से विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली सरकार में मंत्री रहे राजकुमार गौतम ने लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी छोड़ दी थी। राजकुमार आनंद ने मंत्री पद से तब इस्तीफा दे दिया था, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में थे। वह अप्रैल महीने में भाजपा में शामिल हो गए थे। दलित नेता राजकुमार आनंद ने बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर भी विधानसभा चुनाव लड़ा था। हालांकि, उन्हें तब हार मिली थी।

करतार सिंह तंवर साल 2020 के दिल्ली चुनाव में छतरपुर विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए थे। करतार सिंह तंवर ने भी कुछ ही महीने पहले आम आदमी पार्टी छोड़ दी थी और वह भाजपा में शामिल हो गए थे। विधानसभा स्पीकर ने करतार को दल बदल कानून के तहत विधानसभा की सदस्यता के अयोग्य ठहरा दिया था। राजकुमार आनंद, राजेंद्र पाल गौतम और करतार सिंह तंवर के बाद अब कैलाश गहलोत पार्टी छोड़ गए। इन चार चेहरों में से दो दलित नेता हैं। गौरतलब है कि दिल्ली में दलित आम आदमी पार्टी का कोर वोटर माना जाता है।

पार्टी छोड़ गए इन नेताओं के अलावा दिल्ली महिला आयोग की पूर्व चेयरमैन स्वाति मालिवाल भी अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के खिलाफ लगातार बागी तेवर दिखा रही हैं। केजरीवाल के जेल से बेल पर बाहर आने के बाद आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालिवाल उनसे मिलने सीएम हाउस पहुंची थीं जहां कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की घटना हुई थी। इसके बाद से ही स्वाति संसद के भीतर और बाहर, केजरीवाल और उनकी पार्टी के खिलाफ लगातार मुखर हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले वाले साल में चार नेताओं का पार्टी छोड़ जाना और एक नेता का लगातार बागी तेवर दिखाना आम आदमी पार्टी के लिए बड़ा झटका माने जा रहे हैं। दरअसल, विपक्षी भाजपा भ्रष्टाचार के मसले पर ही आम आदमी पार्टी को घेर रही है। भ्रष्टाचार की बुनियाद पर ही आम आदमी पार्टी का बतौर राजनीतिक दल सियासी सफर का आगाज हुआ था। पार्टी छोड़ गए नेताओं के आरोप हों या स्वाति मालीवाल के तल्ख बयान, ये सभी विपक्षी दलों की लाइन के आसपास दिखते हैं जो चुनावों में आम आदमी पार्टी के लिए मुसीबतें बढ़ा सकते हैं। जहाँ आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले नेताओं की खबरें तो सुर्खियां बना रही है लेकिन वहीँ दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल साइलेंटली भाजपा को पटखनी देने की तैयारी कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने पिछले कुछ हफ्तों में भाजपा के तीन बड़े नेताओं को आम आदमी पार्टी में शामिल कराया है।

इसके अलावा अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के दो बार के पूर्व विधायक रहे अनिल झा को आम आदमी पार्टी में शामिल कराया। अनिल झा किराड़ी के बड़े नेता माने जाते हैं। अनिल झा 2008 और 2013 में भाजपा के टिकट पर विधायक भी चुने जा चुके थे। हालांकि 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 2020 में अनिल झा ने आप के उम्मीदवार ऋतुराज झा को कड़ी टक्कर दी थी। हालांकि करीब 6000 वोटों से चुनाव हार गए थे। अब अरविंद केजरीवाल ने अनिल झा को पूर्वांचल का सबसे बड़ा नेता बताते हुए उनका पार्टी में स्वागत किया है। निश्चित तौर केजरीवाल का ये कदम भाजपा के लिए बड़ा झटका है।

दो हफ्ते पहले अरविंद केजरीवाल ने छतरपुर और महरौली से भाजपा के बड़े नेता को आम आदमी पार्टी में शामिल करवाया था। ब्रह्म सिंह तंवर तीन बार के पूर्व विधायक और भाजपा के बड़े नेता माने जाते हैं। ब्रह्म सिंह तंवर की पहचान भाजपा के बड़े गुर्जर नेताओं में होती है। 2020 के चुनाव में ब्रह्म सिंह तंवर करीब साढ़े तीन हजार वोटों के करीबी अंतर से हारे थे। लेकिन जैसे ही भाजपा ने छतरपुर से आप के विधायक करतार सिंह तंवर को तोड़ा, उसके तुरंत बाद अरविंद केजरीवाल ने ब्रह्म सिंह तंवर को आप में शामिल करवा लिया। माना जा रहा है कि ब्रह्म सिंह तंवर को आम आदमी पार्टी छतरपुर से चुनाव लड़ा सकती है।

वैसे इसी महीने 4 नवंबर को आम आदमी पार्टी में भाजपा के पार्षद रहे लक्ष्मी नगर के बड़े नेता बीवी त्यागी भी शामिल हो गए। बीवी त्यागी दो बार के भाजपा पार्षद और पूर्वी दिल्ली नगर निगम में नेता सदन रह चुके हैं। इसके अलावा स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। बीवी त्यागी लक्ष्मी नगर के जमीनी नेता माने जाते हैं और उनके क्षेत्र में अच्छी पकड़ है। बीवी त्यागी भाजपा की ओर से टिकट की रेस में भी चल रहे थे लेकिन आम आदमी पार्टी ने चुनाव से पहले ही उन्हें अपने दल में शामिल करा लिया। यह भी भाजपा के लिए बड़ा झटका है।

आम आदमी पार्टी के इन तीनों कदमों से यह स्पष्ट है कि पार्टी का फोकस हर एक विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के बड़े नेताओं पर है। किसी न किसी तरीके से आम आदमी पार्टी उन्हें अपने पाले में करना चाहती है। ताकि भाजपा जमीनी स्थिति पर कमजोर हो। आप ने चुनाव पूर्व कांग्रेस को भी बड़ा झटका दिया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक सुमेश शौकीन आदमी पार्टी ज्वॉइन कर ली है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सुमेश शौकीन को आप की सदस्यता दिलाई। आप में शामिल होने के बाद सुमेश शौकीन ने कहा कि दिल्ली देहात में तमाम विकास के काम आम आदमी पार्टी ने कराए हैं। आज से मैं अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर दिल्ली के विकास के लिए काम करूंगा। वहीं सुमेश शौकीन ने शीला दीक्षित के 15 साल के कार्यकाल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शीला दीक्षित को यह भी नहीं पता था कि दिल्ली में खेती भी होती है।

लेकिन इधर आम आदमी पार्टी कांग्रेस के नेता को तोड़ रही थी तो वहीं कुछ घंटों बाद कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी के एक पूर्व विधायक को अपने पाले में लाकर हिसाब बराबर कर लिया। हाजी इशराक आम आदमी पार्टी के टिकट पर 2015 में उत्तर पूर्वी दिल्ली के ही सीलमपुर से चुनाव जीते थे। ऐसे में दलित नेता का हिसाब एक अल्पसंख्यक नेता को अपने पाले में लाकर कांग्रेस ने उसी दिन पूरा किया। अभी चुनाव दूर है तब तक देखते है कितने फटाके व कितने बम फूटते है ।

बुलडोजर न्यायः प्रशासनिक दक्षता और संवैधानिक अधिकारों के बीच टकराव

-डॉ. सत्यवान सौरभ

बुलडोजर न्याय अक्सर उचित नोटिस या बचाव का मौका जैसी कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर देता है, जो संविधान में निहित निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को चुनौती देता है। हाल ही में हुए विध्वंस में, परिवारों को न्यूनतम नोटिस दिया गया, जो अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है। यह प्रथा निर्दोषता की धारणा का खंडन करती है, जहाँ व्यक्तियों को बिना किसी परीक्षण या दोषसिद्धि के दोषी माना जाता है, जो कानून के शासन का उल्लंघन है। उत्तर प्रदेश में, बिना किसी ठोस सबूत के केवल आरोपों के आधार पर संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया, सबूत के कानूनी मानकों की अवहेलना की गई। विध्वंस न केवल अभियुक्तों पर बल्कि परिवारों और समुदायों पर भी प्रभाव डालता है, जो सामूहिक दंड के विरुद्ध सिद्धांत का उल्लंघन करता है। मध्य प्रदेश में, एक सदस्य की कथित संलिप्तता के कारण विध्वंस ने परिवारों को बेघर कर दिया, जिससे निर्दोष आश्रित प्रभावित हुए। बुलडोजर न्याय कार्यकारी और न्यायिक भूमिकाओं को धुंधला कर देता है, क्योंकि प्रशासनिक निकाय अनुच्छेद 50 का उल्लंघन करने वाले न्यायालयों के लिए दंड निष्पादित करते हैं। न्यायालय के निर्देशों के बिना संपत्तियों को ध्वस्त करना अधिकारियों को उनके दायरे से बाहर काम करते हुए दिखाता है, जो न्यायपालिका की भूमिका का उल्लंघन करता है।

जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने उजागर किया है, उचित नोटिस या सुनवाई का अभाव प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, जिससे उन्हें बचाव का कोई अवसर नहीं मिलता। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और अतिक्रमणों पर त्वरित कार्यवाही को बनाए रखता है। अनधिकृत संरचनाओं के त्वरित विध्वंस से शहरी विकास में देरी खत्म होती है और भूमि प्रबंधन प्रक्रियाएँ सुव्यवस्थित होती हैं। दिल्ली (2023) में, जहाँगीरपुरी जैसे क्षेत्रों में विध्वंस अभियान का उद्देश्य अवैध निर्माण की रिपोर्ट सामने आने के बाद सार्वजनिक स्थानों को जल्दी से पुनः प्राप्त करना था, जिससे शहरी विकास परियोजनाओं का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। अवैध निर्माण के तत्काल परिणाम एक शक्तिशाली चेतावनी के रूप में कार्य करते हैं, जो भविष्य में उल्लंघन को हतोत्साहित करते हैं। अतिक्रमित क्षेत्रों का तेजी से पुनर्ग्रहण उनके उचित उपयोग को सुनिश्चित करता है, जिससे बेहतर शहरी शासन और सार्वजनिक उपयोगिता में योगदान मिलता है। निर्णायक कार्यवाही राज्य की कानूनों को बनाए रखने की क्षमता को मजबूत करती है, जिससे शासन में जनता का विश्वास बढ़ता है। लंबे समय तक चलने वाली कानूनी और नौकरशाही देरी को दरकिनार करके, यह लागत को कम करता है और भूमि विवादों के समाधान में तेजी लाता है। दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन (2023) की तैयारियों के दौरान, क्षेत्र को सुंदर बनाने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रमुख स्थलों के पास से अतिक्रमण को तेजी से हटाया गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए प्रभावी संसाधन प्रबंधन का प्रदर्शन हुआ।

जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघनः उचित प्रक्रिया के बिना तोड़फोड़ अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करती है, जो आश्रय के अधिकार सहित जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है। ओल्गा टेलिस बनाम बॉम्बे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि आवास अधिकार जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग हैं, हाल ही में हुई तोड़फोड़ में इस सिद्धांत का उल्लंघन किया गया। विध्वंस नीतियों को लागू करने में एकरूपता की कमी प्रक्रियात्मक मनमानी को जन्म देती है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती है। पूजा स्थलों या सांस्कृतिक महत्त्व के स्थलों को नष्ट करना, धर्म का पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर सकता है (अनुच्छेद 25-30) । कानूनी नोटिस या सुनवाई के बिना मनमाने ढंग से किए गए विध्वंस व्यक्ति के संपत्ति रखने और उसका आनंद लेने के अधिकार को कमजोर करते हैं। संविधान में यह अनिवार्य किया गया है कि किसी भी व्यक्ति को कानून के अधिकार के अलावा उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा। कार्यकताओं, पत्रकारों आदि के खिलाफ दंडात्मक उपायों के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर विध्वंस अभियान असहमति पर भयावह प्रभाव डालते हैं। संपत्ति और विध्वंस अधिकारों पर नागरिकों को शिक्षित करने से समुदायों को अवैध कार्यों का विरोध करने और उचित प्रक्रिया की मांग करने में मदद मिलती है। महाराष्ट्र में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहल कानूनी परामर्श प्रदान करती है, जिससे परिवार अनुचित विध्वंस का विरोध कर सकते हैं। जवाबदेही ढांचे को लागू करने से यह सुनिश्चित होता है कि उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने वाले अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराया जाए, जिससे शासन में विश्वास बढ़ता है। विध्वंस की निगरानी के लिए लोकपाल की स्थापना से दुरुपयोग को रोका जा सकता है और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है।

हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत संपत्ति के विध्वंस के लिए दिशा-निर्देश स्थापित किए, जिसमें व्यक्तिगत नोटिस जारी करना और अपील के लिए पर्याप्त समय प्रदान करना अनिवार्य किया गया। न्यायालय ने बुलडोजर न्याय के मुद्दे पर प्रकाश डाला, तथा अपने हालिया निर्णय में इसे कानून के शासन के अंतर्गत अस्वीकार्य माना। संपत्ति और विध्वंस अधिकारों पर नागरिकों को शिक्षित करने से समुदायों को अवैध कार्यों का विरोध करने और उचित प्रक्रिया की मांग करने में मदद मिलती है। महाराष्ट्र में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहल कानूनी परामर्श प्रदान करती है, जिससे परिवार अनुचित विध्वंस का विरोध कर सकते हैं। जवाबदेही ढांचे को लागू करने से यह सुनिश्चित होता है कि उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने वाले अधिकारियों को ज़िम्मेदार ठहराया जाए, जिससे शासन में विश्वास बढ़ता है। विध्वंस की निगरानी के लिए लोकपाल की स्थापना से दुरुपयोग को रोका जा सकता है और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है।

पूर्व सूचना, न्यायिक समीक्षा और अपील समय के लिए प्रोटोकॉल विकसित करना नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है। 15-दिन की नोटिस अवधि को अनिवार्य करने वाले सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं और मनमाने ढंग से किए जाने वाले विध्वंस से बचाते हैं। प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास या मुआवजा प्रदान करना प्रशासनिक कार्यों को सामाजिक न्याय सिद्धांतों के साथ जोड़ता है। दिल्ली में, अतिक्रमण हटाने के दौरान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास ने आश्रय के अधिकारों को बरकरार रखा। निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विध्वंस की निगरानी भेदभाव सम्बंधी चिंताओं को दूर करती है और वैध, न्यायसंगत कार्यवाही को लागू करती है। यूपी में स्वतंत्र ऑडिट टीमें कानूनी दिशानिर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करने और पक्षपातपूर्ण लक्ष्यीकरण को रोकने के लिए विध्वंस का आकलन करती हैं। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और संवैधानिक अधिकारों के बीच जटिल संतुलन को उजागर करता है। कानूनी सुरक्षा, पारदर्शी प्रोटोकॉल और जवाबदेही सुनिश्चित करके, भारत ऐसे शासन को बढ़ावा दे सकता है जो कानून के शासन और मानव गरिमा का सम्मान करता हो, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ संरेखित हो और प्रभावी प्रशासन को सक्षम बनाता हो।

प्रकृति के अलग-अलग तेवर, कहीं उष्णता कहीं बाढ़

संजीव ठाकुर

भारत जैसे विकासशील देश में ही जहां गरीबी ने अपना परचम फैला रखा है। शहरों में पेट्रोल ,डीजल, केरोसिन से चलने वाली गाड़ियों और वातानुकूलित यंत्रों याने ए,सी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होने से वातावरण में उष्णता बढ़ते जा रही है' इसके अलावा वनों का विनाश एक भयानक समस्या के रूप में देश में फैलता जा रहा है' अंधाधुंध फैक्ट्रियों एवं मशीनों के उपकरणों से निकलने वाले धुंए से वातावरण विषैला बनाकर मनुष्य और जीव जंतुओं का जीना दूभर कर दिया है। वनों की कटाई के साथ-साथ कंक्रीट के जंगल धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगे हैं, ऐसे में शुद्ध वायु और और तापमान में आश्चर्यजनक बदलाव जिसके परिणाम स्वरूप वर्षा ऋतु के परिवर्तन एवं बारिश में न्यूनता आने से धरती के तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसी के चलते देश के कई शहरों में तापमान 48 से 50 सेल्सियस होने के कारण पशु पक्षी एवं मनुष्य की हीट स्ट्रोक से मृत्यु हुई हो जाती है। पानी की कमी तथा शरीर में डिहाइड्रेशन से लोगों की तथा वन्य पशुओं की लगातार मृत्यु हो रही है।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरा वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है। ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र मैं पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है। वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रहे हैं। भारत को छोड़कर अन्य यूरोपीय देशों जिसमें अमेरिका ब्रिटेन के अलावा 32 देशों ने जो कार्बन उत्सर्जन एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं। सम्मेलन कर इस पर चिंता जरूर जताई है पर इसमें स्पष्ट तौर पर अमेरिका, ब्रिटेन ,जापान चीन ,रूस की दादागिरी दिखाई देती है,यह छोटे गरीब देशों पर सारी जिम्मेदारी लादने का काम कर रहे हैं । विश्व के कुल देशों में से लगभग 50 देश ऐसे हैं जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर पृथ्वी को धधकाने के कार्य का 60% तक हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन इन देशों को ग्लोबल वार्मिंग की चिंता की बजाए विकासशील देश एवं गरीब देशों पर पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर दोषारोपण कर के अपनी इतिश्री कर लेते हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण चिंतन जितने भी सम्मेलन हुए हैं इसमें बड़े देशों की नीति एवं दादागिरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। चीन जो सबसे बड़ा कार्बन का उत्सर्जक देश है उसने पर्यावरण पर हुए सम्मेलनों में हिस्सेदारी तो दूर उसकी तरफ ध्यान देना भी उचित नहीं समझा। इंटरनेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी ने चेतावनी दी है कि धरती के तापमान की वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43% से 50% तक कटौती करनी होगी। 2010 से लेकर 2021 तक दुनिया का औसत वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है जो सर्वाधिक खतरे के निशान से भी ऊपर है। फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के वजह से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें अपने उत्सर्जन को लगभग शून्य पर लाना होगा, और इस कार्य के लिए पूरी दुनिया को ऊर्जा क्षेत्र में बड़े और कार्यकारी बदलाव लाने होंगे, इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के उपभोग में भारी कमी भी लानी पड़ेगी। विगत 3 वर्षों में अक्षय ऊर्जा स्त्रोतों में जैसे सौर एवं पवन ऊर्जा साथी स्टोरेज बैटरी की लागत में आश्चर्यजनक गिरावट आई है जो लगभग गैस तथा कोयले की कीमत के बराबर हो गए हैं। कार्बन उत्सर्जन अभी 54% अधिक है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो दुनिया के सब अमीर देश अकेले विश्व के कुल गैस उत्सर्जन के लिए बड़े जिम्मेदार पाए गए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगले आठ दस सालों में अपने गैस उत्सर्जन में कटौती को आधा यानी 50% से कम नहीं करती है तो वर्ष 2050 तक उसे शून्य स्तर पर लाना होगा, अगर ऐसा नहीं किया तो पृथ्वी को तबाह होने से कोई नहीं रोक सकता है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो भारत मोटे तौर पर ग्रीन हाउस गैसों के कुल वैश्विक उत्सर्जन में सहित 6.8 प्रतिशत का हिस्सेदार है। 1990 से लेकर 1920 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में एक में 175% की बढ़ोतरी हुई है। 2013 से 2021 के बीच देश के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की मात्रा 17 फीसदी बढ़ी है, राहत की बात यह है कि अब भी भारत का उत्सर्जन स्तर जी-20 देशों के औसत स्तर से बहुत नीचे है। देश में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी 11% की है, भारत की कुल ऊर्जा आपूर्ति में जीवाश्म ईंधन आधारित प्लांट का योगदान 74% है। यदि कार्बन उत्सर्जन को रोका नहीं गया और जीवाश्म ईंधन के उपयोग की रफ्तार यही रही तो भारत सहित विश्व के अधिकांश देश अपनी धरती को बचाने में सक्षम नहीं होंगे।

ईजमायट्रिप ने स्टडी टूरिज्म के क्षेत्र में कदम रखा

मुंबई। भारत के प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफॉर्म्स में से एक ईजमायट्रिप डॉटकॉम ने आज प्लैनेट एजुकेशन ऑस्ट्रेलिया पीटीवाई लिमिटेड में 49% हिस्सेदारी के अधिग्रहण की घोषणा की। प्लैनेट एजुकेशन विदेश में पढ़ाई के लिए छात्रों को मार्गदर्शन और सेवाएं प्रदान करने वाली एक प्रमुख शिक्षा सेवा प्रदाता है। इस रणनीतिक निवेश के साथ, ईजमायट्रिप ने अंतरराष्ट्रीय स्टडी टूरिज्म में कदम रखते हुए अपनी स्थिति को और मजबूत किया है।

प्लैनेट एजुकेशन की स्थापना 1999 में एक अग्रणी शिक्षा सेवा प्रदाता के रूप में हुई थी। शिक्षा के क्षेत्र में 25 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, यह कंपनी विदेश में पढ़ाई के इच्छुक छात्रों को विशेषज्ञ सलाह, यूनिवर्सिटी में प्रवेश और वीजा सहायता जैसी सेवाएं प्रदान करती है। यह अधिग्रहण ईजमायट्रिप के अपने सेवाओं का विस्तार करने और ग्राहकों के लिए एक समग्र ट्रैवल इकोसिस्टम तैयार करने के विजन के अनुरूप है। कंपनी ने स्टडी टूरिज्म के क्षेत्र में कदम रखते हुए, विदेश में पढ़ाई के इच्छुक छात्रों को सेवाएं प्रदान करना शुरू किया है। इससे ईजमायट्रिप को एक नए पर्यटन क्षेत्र में अपनी पहुंच बढ़ाने का अवसर मिला है। इस साझेदारी से ईजमायट्रिप, प्लैनेट एजुकेशन की वैश्विक शिक्षा सेवाओं और मजबूत उपस्थिति का लाभ उठाएगी, जबकि प्लैनेट एजुकेशन को ईजमायट्रिप के व्यापक ग्राहक नेटवर्क, बी2बी एजेंट नेटवर्क और तकनीकी विशेषज्ञता तक पहुंच हासिल होगी। ईजमायट्रिप के सीईओ और को-फाउंडर श्री निशांत पिट्टी ने कहा, हर साल लाखों छात्र अमेरिका, कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, न्यूजीलैंड और आयरलैंड जैसे देशों में उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं। प्लैनेट एजुकेशन का अधिग्रहण हमारे लिए एक रणनीतिक कदम है, जिससे हम अंतरराष्ट्रीय स्टडी टूरिज्म के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं।

लुईस फिलिप ने शादियों के इस सीजन के लिये मुंबई मे पेश किया रॉयल वेंडिंग ट्रेजर्स

मुंबई। आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के प्रतिष्ठित मेन्सवियर ब्रैंड लुईस फिलिप ने अपनी नई रॉयल वेडिंग ट्रेजर्स कलेक्शन लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कलेक्शन आज के आधुनिक दूल्हे के लिए डिजाइन किया गया है, जो पारंपरिकता का सम्मान करते हुए समकालीन स्टाइल को अपनाना चाहता है। यह कलेक्शन ब्रैंड की अद्वितीय कारीगरी और खूबसूरती को प्रदर्शित करता है, जो निश्चित रूप से दूल्हे के आत्मविश्वास और आकर्षण को शादी के खास दिन पर और बढ़ाएगा। लुईस फिलिप का खास रॉयल वेडिंग ट्रेजर्स कलेक्शन परंपरागत विवाह समारोहों की भव्यता एवं सांस्कृतिक समृद्धि को दिखाता है। इसमें डिजाइन के आधुनिक तत्वों को भी बड़ी ही आसानी से शामिल किया गया है। हर पीस एक सुंदर आर्ट वर्क प्रस्तुत करता है और इन्हें वेलवेट जैसे प्रीमियम फैब्रिक्स से कुशलतापूर्वक बनाया गया है। साथ ही खूबसूरत जड़ाई का काम भी इसमें हुआ है। बंदगले पर महीन एम्ब्रॉइडरी और सीक्विन्स का काम किया गया है, जोकि रॉयल मोटिफ्स से प्रेरित है। इनमें की गई कारीगरी का स्तर जो दूल्हे के परिधान को राजसी दर्जा देता है। इस कलेक्शन में पुराने जमाने के डिजाइन और नए जमाने के फैशन का संयोजन किया गया है। इसमें टू-पीस और थ्री-पीस सूट्स तथा समारोहों में पहनने के लिए शर्ट्स पेश की गई हैं। ये कपड़े शादियों में दूल्हे के लिए बहुत अच्छे लगते हैं और उन्हें खास बनाते हैं। इन कपड़ों के रंग बहुत ही खूबसूरत हैं, जैसे कि डीप रॉयल ब्लूज, रिच ग्रीन्स, क्लासिक आइवरी तथा गोल्ड। इसमें ब्रांड की क्लासिक विशेषज्ञता को आधुनिक डिजाइनों एवं शानदार टेक्सचर्स के साथ मिलाया गया है और ये दूल्हे को एक अलग ही लुक देंगे। इस कलेक्शन के बारे में बात करते हुए, लुईस फिलिपे की मुख्य परिचालन अधिकारी सुश्री फरीदा कलियाठान ने कहा, लुईस फिलिप में हमारा मानना है कि परंपरा को देखते हुए शादियों में खुद की शख्सियत को दिखाना बहुत मायने रखता है। यह कलेक्शन उसी भावना का सम्मान करने के लिये तैयार किया गया है और दूल्हों को पूरे ठाठ-बाट, शान और आधुनिक फैशन का बेजोड़ संगम प्रदान करता है।

नवयुग इंजीनियरिंग ने एक्सपिडियन ईआरपी सॉल्यूशंस के साथ अपने कारोबार के संचालन में नई ऊंचाइयाँ हासिल की

मुंबई। देश में कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनी, एक्सपिडियन ने आज बड़े गर्व के साथ नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड में अपने ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) सॉल्यूशंस को सफलतापूर्वक लागू करने के एक साल पूरे होने की घोषणा की। नवयुग को पिछले ईआरपी सिस्टम्स में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, और अब कंपनी को दमदार, बड़े पैमाने पर विस्तार के योग्य और अपने पूरे उद्यम के लिए एक मजबूत समाधान की तलाश थी। कंपनी ने एक्सपिडियन के साथ साझेदारी करके अपनी संचालन क्षमता को बेहतर बनाया है, सहभागिता में सुधार किया है, साथ ही परियोजना प्रबंधन को भी सुव्यवस्थित किया है, जो इसके डिजिटल बदलाव के सफर में एक बड़ी उपलब्धि है। नवयुग समूह कोर इंफ्रास्ट्रक्चर और इंजीनियरिंग क्षेत्र में सबसे आगे है और नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड इसी समूह की एक फ्लैगशिप कंपनी है। एक्सपिडियन के साथ इस साझेदारी से पहले तक, नवयुग अपने फाइनेंसियल अकाउंट तथा संचालन से संबंधित दूसरे कार्यों के लिए कई अलग-अलग और एक-दूसरे से स्वतंत्र सिस्टम्स पर निर्भर था, जिसमें किसी परियोजना के लिए कॉन्ट्रैक्ट और बजट जैसी प्रमुख गतिविधियों को मैन्युअल रूप से संभाला जाता था। एक्सपिडियन ने इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री के लिए विशेष रूप से इंटीग्रेटेड सिस्टम्स का समूह तैयार किया है, जिसकी मदद से नवयुग ने अपने संचालन कार्यों को बेहतर बनाकर मुकाबले में बढ़त हासिल की, साथ ही अपने इंजीनियरिंग एवं इन्फ्रा बिजनेस में पूरी तरह से डिजिटल बदलाव को भी संभव बनाया है। एक्सपिडियन के सीईओ, श्री जनक वखारिया ने कहा, नवयुग के साथ हमारी इस साझेदारी से यह जाहिर होता है कि, इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की कंपनियां में बदलाव लाने में कस्टमाइज्ड ईआरपी सॉल्यूशंस कितने प्रभावी हो सकते हैं। डेटा में पारदर्शिता के साथ-साथ परियोजना प्रबंधन और सहभागिता में सुधार इस बात को उजागर करते हैं कि, जबरदस्त मुकाबले से भरे मौजूदा दौर में टेक्नोलॉजी रणनीतिक विकास को गति देने और संचालन क्षमता को बेहतर बनाने में सक्षम है। नवयुग अधिक मूल्य वाली परियोजनाओं को संभालने वाली कंपनी है, जिसे एक ऐसे सिस्टम की जरूरत थी, जो उनके व्यवसाय के विकास के साथ-साथ आगे बढ़ सके। एक्सपिडियन के ईआरपी ने परियोजना संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी– खास तौर पर बजट बनाने, सब-कॉन्टैक्टर मैनेजमेंट, खरीद, और उपकरणों के बारे में योजना बनाने जैसे क्षेत्रों को व्यवस्थित करने में मदद की, जिससे कंपनी के लिए पिछली रुकावटों और अक्षमताओं को दूर करना संभव हो पाया। बीते एक साल के दौरान, एक्सपिडियन के ईआरपी प्लेटफॉर्म ने नवयुग के वर्कफ़्लो में बदलाव लाने, अलग-अलग विभागों के बीच सहज सहयोग को बढ़ावा देने और वास्तविक समय में मूल्यवान जानकारी के जरिये बेहतर निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक्सपिडियन के ईआरपी सिस्टम को अमल में लाने से नवयुग को प्रोजेक्ट फाइनेंस पर अधिक नियंत्रण मिला है, प्रक्रियाएं सुव्यवस्थित हुई हैं और डेटा के अलग-अलग संग्रह की समस्या समाप्त हो गई है।

नरेंद्र मेहता को लेकर मतदाताओं में उत्साह

उत्तर भारतीयों के साथ-साथ जैन और मारवाड़ी समाज का समर्थन

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर के पूर्व विधायक तथा महायुती प्रत्याशी नरेंद्र मेहता को लेकर यहां के मतदाताओं में उत्साह का माहौल दिखाई दे रहा है। इस बार मतदाता पूरी तरह से उनके पक्ष में संगठित दिखाई दे रहा है। महाविकास अघाडी प्रत्याशी मुजफ्फर हुसैन के पक्ष में मुस्लिम मतदाताओं के खुलकर खड़े हो जाने से यहां का हिंदू वोट मेहता के पक्ष में संगठित होता दिखाई दे रहा है। निर्दलीय प्रत्याशी गीता जैन को त्रिकोणात्मक लड़ाई में मानने वाले लोग अब साफ तौर पर कहने लगे हैं कि यहां की लड़ाई सिर्फ मुजफ्फर हुसैन और नरेंद्र मेहता के बीच है। ऐसे में मतों का बंटवारा रोकने के लिए उत्तर भारतीय, जैन और मारवाड़ी समाज पूरी तरह से नरेंद्र मेहता के पक्ष में लामबंद होता नजर आ रहा है। विधानसभा प्रमुख एडवोकेट रवि व्यास के अनुसार इस बार भाजपा यहां से रिकॉर्ड मतों के साथ विजई होगी। पूर्व उपमहापौर हंसमुख गहलोत बड़ी जीत को लेकर निश्चिंत नजर आते हैं। उनके अनुसार इस बार हिंदू मतों के साथ-साथ राष्ट्रवादी मुसलमानों का भी वोट भाजपा को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लोग शहर में शांति, सुरक्षा और विकास चाहते हैं। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए एडवोकेट राजकुमार मिश्रा के अनुसार इस बार भाजपा प्रचंड मतों के साथ विजई होने जा रही है। उत्तर भारतीय मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुरेश सिंह, पूर्व नगरसेवक मदन उदितनारायण सिंह, पूर्व नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, पूर्व नगरसेवक मुन्ना सिंह, पूर्व नगरसेवक विजय राय, वरिष्ठ समाजसेवी संतोष दिक्षित, वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट आरजे मिश्रा, एडवोकेट डीके पांडे, समाजसेवी रत्नाकर मिश्रा, समाजसेवी धर्मेंद्र चतुर्वेदी, समाजसेवी राजेश मिश्रा, कमलेश दुबे, सुशील दुबे, राजेश मिश्रा, सुनील केसरी, द्रिवेश पांडे, संदीप तिवारी, बृजेश तिवारी जैसे सैकड़ों प्रतिष्ठित लोग भाजपा के ऐतिहासिक विजय के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

दो बार लव और की मैरिज, फिर दो पत्नियों की डिमांड पूरी करने के लिए बन गया चोर

मुंबई। मालाड पुलिस ने एक ऐसे चोर को गिरफ्तार किया है। इस चोर ने चोरी करने के पीछे का कहानी बताई तो हर कोई हैरान था। दो पत्नियों की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए यह शख्स चोर बना। उसने कहा कि वह अपनी पत्नियों से बेइंतहा प्यार करता है। उनकी डिमांड पूरी करने के लिए वह चोरी करने लगा। यहां तक की पत्नी के लिए उसने साथियों के साथ गिरोह बनाकर छोटे अपराध भी अंजाम दिए। 41 वर्षीय इस आरोपी का नाम मोहम्मद कासिम शेख उर्फ अतीक है। इसके खिलाफ एक दो नहीं बल्कि चोरी के अब तक 14 से अधिक मामले दर्ज होने की जानकारी मिली हैं। पुलिस ने अतीक के पास से चोरी के 18 फोन जब्त किए हैं। पुलिस की जांच में पाया गया कि अतीक के खिलाफ मालाड, मरीन ड्राइव, कोलाबा, खार, बांद्रा और ठाणे के नौपाड़ा और डोंबिवली समेत कई पुलिस स्टेशनों में पंद्रह से अधिक मामले दर्ज हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि अतीक ने दो शादियां की हैं। वह दोनों पत्नियों से बेहद प्यार करता है लेकिन बेरोजगार होने के कारण दोनों पत्नियों की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में वह असमर्थ था। इसलिए उसने चोरी करने का फैसला किया और मोबाइल, पर्स आदि चोरी करने लगा। अतीक की गिरफ्तारी से चोरी के चार मामले पुलिस ने अब तक सुलझा लिए हैं। मलाड पुलिस के अनुसार, अतीक खुद तो बेरोजगार था लेकिन दूसरों को रोजगार दिलाने का वादा किया करता था।

3 लाख 73 हजार मतदाओं के मतदान के लिए 137 भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में प्रशासन तैयार

भिवंडी। महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव के लिए २० नवबर को मतदान संपन्न किया जाएगा। इस मतदान प्रक्रिया को लेकर १३७ भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में सभी तैयारियां पूरी कर लीगई हैं। ३ लाख ७३ हजार ६४५ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। भिवंडी पुर्व विधधान सभा क्षेत्र के चुनाव अधिकारी अमित सानप ने सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की है। भिवंडी पर्व विधानसभा क्षेत्र में कुल ११ उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। उन्हे चुनने के लिए ३३५ मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान प्रक्रिया को शांती पुर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने पर्याप्त ईवीएम मशीनें और अन्य जरुरत मंद साहित्य उपलब्ध कराए हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक बैलेट यूनिट का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए ३३५ ईवीएम, ४०२ बैलेट यूनिट (२०% अतिरिक्त) और ४३ वीवीपैट (३०% अतिरिक्त) की व्यवस्था की गई है।मतदान केंद्रों पर दिव्यांग मतदाताओं के लिए १ केंद्र, सखी केंद्र और युवा मतदाताओं के लिए १-१ विशेष केंद्र बनाए गए हैं।वेबकास्टिंग सभी ३३५ मतदान केंद्रों पर सीधी निगरानी के लिए वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है।सुविधाएं: मतदान केंद्रों पर पेयजल, व्हीलचेयर, शिशु देखभाल केंद्र, छाया के लिए मंडप, और प्राथमिक चिकित्सा की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। दिव्यांग मतदाताओं के लिए ३० विशेष रिक्शाओं का इंतजाम किया गया है।

चुनाव को सुचारू बनाने के लिए २,७६४ कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है, जिनमें ३३५ मतदान केंद्राध्यक्ष, १००५ मतदान अधिकारी, और ३३५ पुलिसकर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, १६४ वाहनों की व्यवस्था की गई है, जिनमें बड़ी और मिनी बसें, जीप, और रिक्शा शामिल हैं। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप अभियान के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

डी.एस.मेमोरियल इंग्लिश मीडियम स्कूल एंड जूनियर कॉलेज द्वारा विराट कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सुमित्रा एजुकेशन सोसाइटी बोईसर द्वारा संचालित सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त दीनदयाल सत्यनारायण मेमोरियल इंग्लिश मीडियम हाईस्कूल एवं जूनियर कॉलेज न्यू दांडीपाड़ा दुर्गा मंदिर के पास बोईसर पूर्व में रविवार 17 नवंबर 2024 की शाम को ₹एक शाम कवियों के नाम₹ विराट कवि सम्मेलन एवं स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

कवि सम्मेलन कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों एवं सोसाइटी के ट्रस्टियों द्वारा विद्यादेवी मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर, दीप प्रज्वलन करने के पश्चात वीणा वादिनी के पुत्र कवियों एवं अतिथियों को सम्मान वस्त्र पुष्पगुच्छ स्मृति चिन्ह देकर सत्कार के साथ की गई। इस विराट कवि सम्मेलन का आयोजन तारापुर परमाणु संयंत्र के सेवानिवृत वरिष्ठ अग्निशमन दल के अधिकारी समाजसेवी शिवशंकर तिवारी (एस.एस. तिवारी) की अध्यक्षता में ओज कवि दीपक श्रीवास्तव के सफल संचालन में हास्य, व्यंग, श्रृंगार, शायर, गीतकार व वीर रस के महान कवियों में कवि अमित दुबे, कवि बसर गोरखपुरी, कवि डॉक्टर कुमार कलहंस, कवि प्रभुनाथ चतुवेर्दी, कवि संपत उजाला, कवि नवीन जौहरी, कवि सूर्यजीत मौर्य, कवि नवरत्न मिश्रा (अर्पित) ने अपनी उत्कृष्ट कविताओं की प्रस्तुति करते हुए कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। इस दौरान कवियों ने श्रोतागणों तालियों की गड़गड़ाहट के बीच खूब वाहवाही लूटी। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थी, अभिवावकों के

अलावा मीडिया जगत से बोईसर - पालघर पत्रकार संघ (रजि.) के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, वरिष्ठ पत्रकार हरिओम शरण मिश्रा, ओमप्रकाश द्विवेदी, जे.पी.जायसवाल, अजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग कवि सम्मेलन में प्रमुख रूप उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन सुमित्रा एजुकेशन सोसाइटी बोईसर के ट्रस्टी डी.एस. पाठक, उदयभान पाठक, प्रतापभान पाठक, बिंदु तिवारी, समाजसेवी एस.एस. तिवारी, सुरेश दुबे, ओमप्रकाश तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में पूर्व अग्निशमन दल अधिकारी समाजसेवी शिवशंकर तिवारी ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी लोगों से स्वादिष्ट स्नेह भोजन करने के आग्रह के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

जिला परिषद कार्यालय में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के कार्यालय में मंगलवार 19 नवंबर 2024 को आयरन लेडी के नाम से प्रसिद्ध भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गई। इस मौके पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया तथा साथ ही राष्ट्रीय एकता की शपथ भी ली गई।

बतादें कि भारतीय राजनीति के इतिहास की एक उल्लेखनीय महिला, आयरन लेडी, इंदिरा प्रियदर्शिनी गांधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की एक प्रतीक थीं। इंदिरा गांधी के पिता पंडित

जवाहरलाल नेहरू, स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी का समर्थन करने वाले भारत के पहले प्रधान मंत्री थे। इंदिरा गांधी दूसरी सबसे लंबे समय तक कार्यकाल पूरा करने वाली प्रधानमंत्री रहीं।वे पहली बार 1966 से 1977 तक और दूसरी बार 1980 से 1984 तक पधानमंत्री रही। उसी दौरान 1984 में उनका निधन हो गया। 1947 से 1964 तक उन्होंने जवाहरलाल नेहरू प्रशासन में चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया। अत्यधिक एकीकृत 1959 में वह कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं। ऐसी महान महिला की जयंती मंगलवार 19 नवंबर 2024 को जिला परिषद कार्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्र शिंदे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी सामान्य चन्द्रशेखर जगताप, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास प्रवीण भावसार, उपजिला कार्यक्रम समन्वयक एम.आर.ई.जी.एस. अतुल पारस्कर, शिक्षा अधिकारी माध्यमिक संगीता भागवत के अलावा जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कैश बांटने के आरोपों पर विनोद तावड़े की सफाई, कार्यकताओं के साथ कर रहा था मीटिंग, निष्पक्ष जांच हो

मुंबई। महाराष्ट्र के वसई विरार में विधानसभा चुनाव से ठीक एक दिन पहले हाई ड्रामा सामने आया। विरार में एक बैठक के दौरान बीजेपी नेता विनोद तावड़े की मौजूदगी में बहुजन विकास अघाड़ी और बीजेपी के कार्यकताओं के बीच झड़प हो गई। विधायक हितेंद्र ठाकुर ने आरोप लगाया कि विनोद तावड़े बैठक में बीजेपी कार्यकताओं को 5 करोड़ रुपये बांट रहे थे। हालांकि, विनोद तावड़े ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि ये पैसे उनके नहीं हैं।

विनोद तावड़े ने कहा कि नालासोपारा के विधायकों की बैठक चल रही थी। मतदान के दिन के लिए आदर्श आचार संहिता, वोटिंग मशीनों को कैसे सील किया जाएगा और यदि कोई आपत्ति की जानी है तो कैसे कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें इसके बारे में बताने के लिए वहां गया था। पार्टी (बहुजन विकास अघाड़ी) के कार्यकर्ता अप्पा ठाकुर और क्षितिज ने सोचा कि हम पैसे बांट रहे हैं। चुनाव आयोग और पुलिस को जांच करने दीजिए, उन्हें सीसीटीवी फुटेज लेने दीजिए। भाजपा नेता ने कहा कि मैं 40 साल से पार्टी में हूं। अप्पा ठाकुर और क्षितिज मुझे जानते हैं, पूरी पार्टी मुझे जानती है। फिर भी मेरा मानना है कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भाजपा पर केवल धनबल के प्रभाव से चुनाव जीतने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "जो काम चुनाव आयोग को करना चाहिए था वह जनता कर रही है. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए।" वरिष्ठ नेता ने कहा, ₹चुनाव आयोग पर हमारा भरोसा टूट गया है।

फेडएक्स ने पांच नई उड़ानें शुरू कर अपने एयर नेटवर्क का विस्तार किया

मुंबई। दुनिया की सबसे बड़ी एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी, फेडरल एक्सप्रेस कॉरपोरेशन ने रणनीतिक विस्तार करते हुए नई उड़ानों की घोषणा की है। यह उड़ानें एशिया-प्रशांत क्षेत्र से महत्वपूर्ण आयात तक दक्षिण भारत की पहुंच को बढ़ाएंगी और साथ ही यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्यात को बढ़ावा देंगी। ये नई उड़ान सेवा लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन को बेहतर बनाएंगी, और वैश्विक व्यापार में दक्षिण भारत की भूमिका को मजबूत करते हुए ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए फेडएक्स की प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगी। इतना ही नहीं, इससे दुनिया भर की सप्लाई चेन के भीतर भारत की क्षमता को सामने लाने में मदद मिलेगी। फेडएक्स, एयरलाइन के चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफिसर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (इंटरनैशनल) रिचर्ड डब्ल्यू स्मिथ ने कहा, भारत आज दुनिया की सबसे रोमांचक आर्थिक विकास की कहानियों में से एक है, और इस तरह यह फेडएक्स के लिए ग्रोथ मार्केट को पेश करता है। उन्होंने कहा, मैं इस गतिशील और तेजी से बदलते क्षेत्र में मौजूद अवसरों को लेकर उत्साहित हूं, और दुनिया के साथ स्थानीय व्यवसायों को जोड़ कर भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने पर मुझे खुशी हो रही है।

फेडएक्स के मध्य पूर्व भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीका के प्रेसिडेंट कामी विश्वनाथन ने कहा, ₹भारत की विकास की कहानी में दक्षिण भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव और स्वास्थ्य सेवा में देश के कुछ अग्रणी निमार्ताओं का केंद्र है। यह नई उड़ान सेवा क्षेत्र की बढ़ती मांग को पूरा करने, समय के लिहाज से महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने और वैश्विक बाजारों से बिना किसी बाधा से जुड़ने के लिए फेडएक्स द्वारा उठाया गया एक रणनीतिक कदम है। इससे वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हुई है।

नई उड़ान सेवा गवांगझाऊ को सीधे बेंगलुरु से जोड़ती है, जिससे ट्रांजिट टाइम में एक व्यावसायिक दिन की कमी आती है। ये अतिरिक्त उड़ानें बेंगलुरु में फेडएक्स परिचालन को मजबूत करता है, जिसमें अब शहर से आने-जाने के लिए 22 साप्ताहिक उड़ानें शामिल हैं। यह उड़ान लिथियम-आयन बैटरी और कंपोनेंट्स जैसे महत्वपूर्ण आयातों तक तेज पहुंच सुनिश्चित करती है, जो ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त, यह यूरोप और अमेरिका में निर्यात क्षमता का विस्तार करते हुए विश्वसनीय और कुशल लॉजिस्टिक्स के साथ वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग, ऑटोमोटिव और ई-कॉमर्स में व्यवसायों को मजबूत करता है।

कनेक्टिविटी बढ़ाने के अलावा, फेडएक्स भारत की बढ़ती व्यापार मांगों का समर्थन करने के लिए अपने डिजिटल ईकोसिस्टम को लगातार विकसित कर रहा है। फेडएक्स इंपोर्ट टूल जैसे टूल जटिल आयात प्रक्रियाओं को सरल बनाते हैं, जबकि फेडएक्स डिलीवरी मैनेजर व्यवसायों को बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए डिलीवरी विकल्पों को तैयार करने का अधिकार देता है। इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर, फेडएक्स दिल्ली गेटवे हब के विस्तार ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग क्षमताओं को बढ़ावा दिया है, जिससे भारतीय व्यवसायों की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया गया है।

टेक्नोलॉजी और इंफ्रास्ट्रक्चर में निरंतर निवेश के साथ फेडएक्स ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और ट्रेड पावरहाउस बनने की भारत की आकांक्षाओं को हासिल करने में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईएचसीएल की 'एक्सीलरेट 2030' रणनीति जारी, नए ब्रांड और नए सेगमेंट के साथ होगा ब्रांड का विस्तार

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी, इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने 2030 के लिए अपनी व्यापक रणनीति की घोषणा की। योजना के तहत, आईएचसीएल अपने ब्रांडस्केप का विस्तार करेगी, उद्योग में सबसे ज्यादा मार्जिन प्रदान करेगी, पूंजी पर 20% रिटर्न के साथ अपने कन्सॉलिडेटेड रेवेन्यू को दोगुना करेगी और दुनिया भर में सराहे जाने वाले अपने सिद्धांतों के साथ आगे बढ़ते हुए अपने पोर्टफोलियो में 700 से ज्यादा होटलों को शामिल करेगी। श्री पुनीत छटवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, आईएचसीएल ने कहा, 350 होटलों का पोर्टफोलियो बनाकर आईएचसीएल ने अपनी उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया है। इनमें से 200 से अधिक होटल ऑपरेटिंग हैं और लगातार दस तिमाहियों में रिकॉर्ड वित्तीय प्रदर्शन किया है। यह मजबूत प्रदर्शन और एक मजबूत बैलेंस शीट के साथ हमें अपनी विकास गति को तेज करने के लिए तैयार करता है। इस क्षेत्र के दीर्घकालिक स्ट्रक्चरल टेल विंड्स इस विजन को सक्षम करते हैं, जिनमें भारत की अनुमानित 6.5% से अधिक की जीडीपी वृद्धि है, सरकार का बुनियादी ढांचे पर खर्च पर लगातार ध्यान, होटलों की आपूर्ति से ज्यादा मांग और उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि शामिल है। श्री पुनीत छटवाल कहा,दक्षिण एशिया में सबसे मूल्यवान, जिम्मेदार और लाभदायक हॉस्पिटैलिटी इको-सिस्टम होने के अपने 'एक्सीलरेट 2030' के विजन के साथ भारत की पर्यटन क्षमता को साकार करने की अपनी प्रतिबद्धता में आईएचसीएल दृढ़ है। आईएचसीएल नए ब्रांड लॉन्च करके अपने ब्रांडस्केप का विस्तार करेगा, विषम बाजार परिदृश्य का लाभ उठाएगा और 2030 तक अपने पोर्टफोलियो को 700 होटलों तक ले जाएगा। अपने कन्सॉलिडेटेड रेवेन्यू को दोगुना करके 15,000 करोड़ रुपये करेगा, नए व्यवसायों इतना आगे बढ़ाएगा कि उनका रेवेन्यू में हिस्सा 25%+ होगा और दुनिया भर में सराही जाने वाली अपनी सेवा उत्कृष्टता को बनाए रखते हुए उद्योग में सबसे ज्यादा मार्जिन और निवेश पर रिटर्न पाना जारी रखेगा।

'एक्सीलरेट 2030' के तहत, पारंपरिक व्यवसायों और मैनेजमेंट फी से 75% और नए, रीइमैजिन्ड व्यवसायों से 25%+ के साथ टॉप-लाइन विकास को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पारंपरिक व्यवसायों को RevPAR नेतृत्व, परिसंपत्ति प्रबंधन पहल और मौजूदा परिसंपत्तियों के इन्वेंट्री विस्तार के साथ सक्षम किया जाएगा। प्रबंधन शुल्क 2030 तक 1,000 करोड़ रुपयों से आगे जाने की उम्मीद है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

कोतवाली पुलिस ने चोरी की सोने की चेन के साथ 2 महिलाओं को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली पुलिस द्वारा 2 महिलाओं को चोरी की सोने की चैन के साथ किया

गया गिरफ्तार जौनपुर थाना कोतवाली जौनपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-470/24 धारा-304/317(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्तागण 1.उर्मिला उर्फ मीरा पत्नी पोतन हरिजन उर्फ हरिजन 2. मीना पत्नी लल्ली हरिजन नि0गण नरौली थाना सिधारी जनपद आजमगढ आवेदक की सूचना पर पालिटेक्निक चौराह जौनपुर से नियमानुसार दिनांक 18.11.2024 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर मा न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है ।गिरफ्तार अभियुक्ता का विवरण 1.उर्मिला उर्फ मीरा पत्नी पोतन हरिजन उर्फ हरिजन निवासी नरौली थाना सिधारी जनपद आजमगढ। 2.मीना पत्नी लल्ली हरिजन निवासी नरौली थाना सिधार जनपद आजमगढ। अपराधिक इतिहास 1.मु0अ0सं0 470/24 धारा 304/317(2) बीएनएस थाना कोतवाली जनपद जौनपुर 2.मु0अ0सं0 412/24 धारा 303(2) बीएनएस थाना कोतवाली जनपद जौनपुर 3.मु0अ0सं0 566/24 धारा 303(2) बीएनएस थाना लाईनबाजार जनपद जौनपुर 4.मु0अ0सं0 584/24 धारा 303(2) बीएनएस थाना लाईनबाजार जनपद जौनपुर बरामदगी 1.एक चैन पीली धातु 2.अभियुक्ता उर्मिला उर्फ मीरा के पास से 2000 रुपये 3.अभियुक्ता मीना के पास से 1500 रुपये बरामद।

जमीन विवाद में चाकू से हमला कर छोटे ने बड़े भाई को उतारा मौत के घाट, भाभी गंभीर

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। सादात थानाक्षेत्र के भीमापार स्थित हुसैनपुर मधुकर गांव में पुराने जमीनी विवाद में सगे भाई ने पम्पिंग सेट चालू करने का बहाना ढूंढकर बड़े भाई व उसकी पत्नी को चाकुओं से छलनी कर दिया। जिससे भाई की मौत हो गयी। मृतक की पत्नी को पेट से बाहर निकल चुके आंत के साथ बुरी तरह घायल अवस्था में सैदपुर सीएचसी से रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद पूरे गांव में हड़कम्प मच गया है। परिजनों में कोहराम मच गया है। 50 वर्षीय राजबली यादव का जमीन को लेकर अपने सगे छोटे भाई कैलाश यादव से काफी समय से विवाद चला आ रहा है ।जिसमें पूर्व में दोनों पक्षों में कोतवाली में सुलह भी हुआ था। जमीन के विवाद को लेकर पूर्व में एक बार सुलह भी हो चुका था। मंगलवार की सुबह राजबली खेत में पानी सिंचने के लिए पम्पिंग सेट चालू करने जा रहे थे। तभी अचानक कैलाश आया और राजबली से उलझने लगा। मना करने पर मारपीट पर आमादा हो गया। जिसके बाद बीच बचाव करने के लिए राजबली की पत्नी 42 वर्षीय चंद्रकला देवी पहुंची। उसी समय कैलाश ने चाकू निकाला और राजबली के पेट व पीठ पर खचाखच वार कर दिया। पति को बचाने आईं चंद्रकला के पेट में भी ताबड़तोड़ वार किया। वह इतनी नृशंसता से हमला किया कि चंद्रकला के पेट से आंत बाहर आ गई। जिसके बाद गांव में हड़कम्प मच गया। घटना के बाद दोनों घायलों को किसी तरह से सैदपुर सीएचसी लाया गया, जहां चिकित्सक ने राजबली को मृत घोषित कर दिया जबकि मृतप्राय हो चुकीं चंद्रकला को उपचार के लिए वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। इधर राजबली की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। 3 भाइयों में बीच का मृतक एलआईसी के एजेंट का काम करके परिवार का भरण पोषण करता था। वो अपने पीछे दो पुत्र 17 साल के पीयूष व 15 साल के आयुष को छोड़ गए हैं। सभी का रो-रोकर बुरा हाल था। सीओ सैदपुर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गयी है विधिक कार्रवाई हो रही है।

आईएएस टॉपर इशिता किशोर ने मछलीशहर तहसीलदार न्यायिक पद का कार्यभार संभाला

इम्तियाज अहमद

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वर्ष 2022 बैच की आई ए एस टॉपर इशिता किशोर के तहसीलदार न्यायिक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद अधिवक्ता संघ भवन में मंगलवार को परिचय समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नवनियुक्त तहसीलदार न्यायिक ने अपना परिचय देते हुए कहा कि श्रीराम कालेज ऑफ कॉमर्स दिल्ली विश्वविद्यालय से अर्थ शास्त्र(कॉमर्स)में ग्रेजुएशन करने के बाद मेरा आई ए एस में चयन हुआ। तहसीलदार न्यायिक के पद पर प्रशिक्षण कार्य हेतु तैनाती मिली है। मैं अधिवक्ताओं के सहयोग एवं सामंजस्य से जनता की सेवा और समस्याओं का निस्तारण करूंगी। सभी से सहयोग की अपेक्षा है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट कुमार सौरभ ने कहा कि अधिवक्ता एवं प्रशासन का एक ही लक्ष्य है कि क्षेत्र की जनता का हित हो और त्वरित न्याय मिल सके। यह तभी संभव है जब बार बेंच में सामंजस्य बना रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता, पूर्व अध्यक्ष दिनेश चंद्र सिन्हा ने बार की परंपराओं से अवगत कराया और अधिकारियों को सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता केदार नाथ यादव ने अधिकारियों का स्वागत किया। संचालन अधिवक्ता संघ के महामंत्री वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर तहसीलदार अजीत कुमार, नायब तहसीलदार कस्बा संतोष कुमार, नव नियुक्त नायब तहसीलदार सुजानगंज विवेक श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार श्रीवास्तव,सुरेंद्र मणि शुक्ला, आर पी सिंह, इंदू प्रकाश सिंह, जितेंद्र कुमार श्रीवस्तव सहित तहसील के ज्यादातर अधिवक्ता उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने नेहरू बालोद्यान सीनियर सेकेन्डरी स्कूल में छात्रों को यातायात के प्रति किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात माह नवम्बर 2024 के दौरान (1) नेहरू बालोद्यान सिनीयर सेकेन्डरी स्कूल, जौनपुर में 400 बच्चों (2) राष्ट्रीय पब्लिक इण्टर कालेज, हुसेपुर कबुलपुर, जफराबाद, जौनपुर में 400 बच्चों के माध्यम से यातायात जागरूकता से सम्बन्धित क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टरकला एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित किया गया।तथा सभी बच्चों को यातायात नियमों की शपथ दिलायी गयी तथा प्रभारी निरीक्षक जफराबाद व क्राइम निरीक्षक जफराबाद के द्वारा साइबर क्राइम अपराध के बारें में बच्चों को जागरुक किया गया। साथ ही शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का माह नवम्बर 2024 के दौरान आज (1) नेहरू बालोद्यान सिनीयर सेकेन्डरी स्कूल, जौनपुर में 400 बच्चों (2) राष्ट्रीय पब्लिक इण्टर कालेज, हुसेपुर कबुलपुर, जफराबाद, जौनपुर में 400 बच्चों मध्य जागरुकता कार्यक्रम किया गया व शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुवे प्रवर्तन की कार्यवाही में 3014 वाहनों का चालान किया गया। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अरविन्द कुमार वर्मा, आरटीओ प्रवर्तन, सतेन्द्र कुमार, प्रभारी निरीक्षक यातायात जी0डी0 शुक्ला, व उप निरीक्षक यातायात सुशील कुमार मिश्रा व सुनील तिवारी, के द्वारा यातायात कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी। तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया और साथ ही काली फिल्म लगाये वाहनों से काली फिल्म उतरवाया भी गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 3014 वाहनों का चालान किया गया। यातायात माह में दिनांक:19.11.2024 को की गयी प्रवर्तन की कार्यवाही कुल चालान संख्याः 3014 बिना हेलमेट वाहन चलानाः2468 बिना सीट बेल्ट वाहन चलानाः 161 तीन सवारी वाहन चालानाः- 121 यातायात नियमों का उल्लंघनः--74 मोबाइल से बात करते हुये वाहन चलानाः- 42 खराब/क्षतिग्रस्त नंबर प्लेट का प्रयोगः-32 वाहन में काली फिल्म का प्रयोगः- 2 बिना डी0एल0 वाहन चलानाः-- 20 वाहन में प्रेशर हॉर्न का प्रयोगः- 2 ओवर स्पीड वाहन चलानाः- 5 नो पार्किंगः-42 शेष अन्य धारा मेः-45

हास्टल की जांच में नहीं मिला कोई हिडेन कैमरा, सूचना साबित हुई गलत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के

महिला छात्रावास में बीती रात छुपे कैमरे की अफवाह से छात्राओं में हड़कंप मच गया। कुछ छात्राओं को एक अनजान नंबर से आपत्तिजनक फोन कॉल्स आए।जिसके बाद उन्हें अपने बाथरूम में छुपे कैमरे का संदेह हुआ। छात्राओं ने इसे लेकर गूगल ऐप के माध्यम से स्वयं जांच करने की कोशिश की, जिससे अफवाहों को और बल मिल गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो वंदना सिंह और प्रशासनिक अधिकारियों ने पुलिस दल के साथ तत्काल कार्रवाई करते हुए छात्रावास और बाथरूम की सघन जांच की। सीओ सदर ने टीम के साथ मौके पर आकर जांच की, लेकिन कोई कैमरा नहीं मिला। बताया गया कि गूगल ऐप वाईफाई सिग्नल पकड़ रहा था। जिससे यह भ्रम उत्पन्न हुआ। पुलिस ने भ्रामक कॉल्स की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में कार्यवाही की जा रही है ।फिलहाल छात्रावास में स्थिति शांतिपूर्ण है।

वाराणसी डीएम ने निर्माण कार्य का लिया जायजा, दिसंबर तक कार्य पूर्ण करने का दिया आदेश

वाराणसी(उत्तरशक्ति) वाराणसी। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत जनपद वाराणसी में वर्ष 2023-24 में स्वीकृत एवं कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा हुई। डीएम ने सभी कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को हिदायत दी कि समय-समय पर कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता की जांच करते रहें। उन्होंने कहा कि जो भी निर्माण कार्य अभी अधूरे हैं, उसे दिसंबर तक पूर्ण करा लिया जाए। जनपद में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत सीसी रोड, सड़क इंटरलाकिंग, नाली, पटरी, घाट, पुस्तकालय सहित अन्य निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत कुल स्वीकृत 715 परियोजनाओं में से 682 परियोजना का कार्य पूर्ण हो चुका है। समस्त कार्यदायी संस्थाओं को निमार्णाधीन परियोजनाओं को प्रत्येक दशा गुणवत्तापूर्वक माह दिसंबर 2024 तक पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यदायी विभागों के उच्च अधिकारियों/अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया गया है कि कार्यों की गुणवत्ता स्वयं निरीक्षण करते हुए सुनिश्चित किया जाय।

महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-05) के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं/बालिकाओं को जौनपुर पुलिस द्वारा किया जा रहा जागरुक।

समस्त महिला बीटों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन कर महिलाओं की समस्याओं का किया जा रहा निस्तारण महिलाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर किया जा रहा सशक्त । उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं / बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के तहत *पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डॉ0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को *विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों -वूमेन पॉवर लाइन- 1090 , पुलिस आपातकालीन सेवा- 112 , एम्बुलेंस सेवा- 108,चाइल्ड लाइन-1098 , स्वास्थ्य सेवा-102,महिला हेल्पलाइन- 181,मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में,घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन- 1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया जा रहा है ।

70 वर्ष के वरिष्ठ नागरिकों का आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु लगाए जायेंगे जगह जगह कैम्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने अवगत कराया है कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत 70 प्लस सभी वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा मेगा कैंप लगाकर कार्ड बनाये जाने के लिए निर्देशित किया गया हैं। वरिष्ठ जनो के कार्ड सभी पंचायत भवन, जिला पुरुष चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो पर, सभी जन सेवा केंद्रो पर, समस्त आशा के माध्यम से, समस्त सूचिबद्ध निजी चिकित्सालयों पर बनाये जा सकते हैं। 70 प्लस वरिष्ठ जनों के आयुष्मान कार्ड,आधार कार्ड के जन्म तिथि के आधार पर बनाये जाने हैं। इसमें किसी भी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं हैं। 20 नवम्बर 2024 को दीवानी न्यायालय में कैंप लगाकर समस्त वरीष्ठजनों का कैंप लगवाकर कार्ड बनाया जायेगा। वरिष्ठ जन आयुष्मान कार्ड बनावाकर 05 लाख तक निःशुल्क ईलाज किसी भी सूचिबद्ध निजी चिकित्सालयों में व किसी भी राजकीय चिकित्सालयों में करवा सकते हैं।

उन्होने बताया है कि जनपद जौनपुर में कुल 34 निजी चिकित्सालय सूचिबद्ध हैं जहां पर लाभार्थियों का ईलाज व कार्ड बनवाया जा सकता हैं। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी साचीज के निदेर्शानुसार 20 नवम्बर 2024 से 22 नवम्बर 2024 तक सेवानिवृत्त समस्त कर्मचारियों का विकास भवन के द्वितीय तल पर कैंप लगाकर आ ुष्मान कार्ड बनाया जायेगा जिसमें समस्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों व उनके आश्रितों का कार्ड बनाया जाना हैं। समस्त सेवानिवृत्त कर्मचारी पं0 दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस कार्ड बनाने हेतु पेंशन से सम्बन्धित दस्तावेज, आधार कार्ड, फोटो लेकर कैंप में आये व केंप का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने का कष्ट करें। जनपद में अब तक कुल 1169562 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं और 83831 लाभार्थियों के ईलाज हो चुके हैं जिनपर लगभग 133 करोड़ खर्च हुये हैं।

मौलाना मतिउद्दीन की शिकायत पर फिर से होगा जिला पंचायत सदस्य के चुनाव की मतगणना

शोले राजभर को फर्जी तरीके से जिताने का लगा था प्रशासन पर आरोप

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला पंचायत चुनाव में मतगणना के दौरान हुयी भारी धांधली की शिकायत पर न्यायालय ने पुनः मतगणना कराने का आदेश दिया है। मामला जौनपुर जिला पंचायत के वार्ड संख्या आठ का है ।शाहगंज क्षेत्र में स्थित वार्ड संख्या आठ में मतगणना और नतीजे घोषित करने के बीच तकरीबन 9 हजार मत गायब कर दिए गए। पुनः मतगणना कराये जाने के कोर्ट के आदेश के बाद इलाके में सियासी सक्रियता बढ़ गयी है। 2021 में हुए जिला पंचायत सदस्य चुनाव में वार्ड संख्या 8 में कुल 23241 मत पड़े जिनमें 944 मतों को रद्द घोषित हुए और 22297 मत वैध पाए गए। लेकिन जिला निर्वाचन अधिकारी ने जब नतीजे घोषित किये तब

केवल 13230 मतों के आधार पर शोले राजभर को प्रमाण पत्र दे दिया ।मतों के इस नए आंकड़े में न्याय पंचायत पाराकमाल अंतर्गत 7 ग्रामसभा के मत गायब थे ।इस वार्ड से राष्ट्रीय उलेमा कौनसिल समर्थित प्रत्याशी मौलाना मतिउद्दीन ने न्यायालय में याचिका दाखिल की.न्यायालय ने आदेश दिया है कि वार्ड संख्या आठ के सभी 13 प्रत्याशियों को सूचना देकर न्याय पंचायत पाराकमाल अंतर्गत आने वाली सभी ग्रामसभा की पुनः मतगणना कराई जाय। न्यायालय के इस आदेश से शाहगंज इलाके में सियासी सक्रियता बढ़ गयी है।

डॉ.मनोज तिवारी मधुमेह शिक्षा सारथी सम्मान से सम्मानित

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। जनपद के काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता भवन में विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर पैनेसिया हॉस्पिटल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी व सम्मान समारोह में वाराणसी के प्रसिद्ध लेखक, शिक्षाविद एवं मनोवैज्ञानिक डॉ मनोज कुमार तिवारी, वरिष्ठ परामर्शदाता, एआरटी सेंटर, एसएस हॉस्पिटल, आईएमएस, बीएचयू को लेखन, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए विशिष्ट योगदान हेतु पैनेसिया वेलफेयर एंड एजुकेशन सोसायटी, वाराणसी द्वारा द्वारा स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र व प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर मधुमेह शिक्षा सारथी सम्मान से सम्मानित किया गया। पैनेसिया वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसायटी द्वारा मधुमेह मुक्त भारत अभियान पूरे देश में व्यापक रूप से संचालित किया जाता है। विदित हो डॉ तिवारी द्वारा शिक्षा मनोविज्ञान, बाल विकास एवं अधिगम, मनोविज्ञानः शैक्षिक मूल्यांकन व प्रबंधन, एचआईवी/एड्सः दशा व दिशा, मनोविज्ञान व शिक्षण (दो संस्करण), बाल मनोविज्ञान व शिक्षाशास्त्र, बाल मनोविज्ञानः शिक्षण व जीवन कौशल, मानव बृध्दि व विकास, दिव्यांगताः समग्र उपागम, मानव वृद्धि एवं विकासः आजीवन

उपागम सहित अनेक पुस्तकों की रचना करने के साथ अनेक पुस्तकों में अध्याय भी लिखा गया है। डॉ मनोज सतत रूप से पत्रिकाओं व समाचार पत्रों में समसमायिक विषयों पर लेख राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लिखते रहतें हैं। लेखन के साथ ही डॉ तिवारी की शिक्षण, प्रशिक्षण, परामर्श, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, मनोचिकित्सा, समाज सेवा में गहरी रुचि है। आप व्दारा सीआरपीएफ, आरपीएफ, एनडीआरएफ, उ.प्र. पुलिस व पीएसी बल, दिव्यांगजनों, बन्दीजनों, छात्रों, गरीबों, महिलाओं को निशुल्क मनोवैज्ञानिक सेवाएं प्रदान की जाती है। आप लाखों लोगों को परामर्श सेवाएं प्रदान कर चुके हैं इस अवसर पर राजेश उपाध्याय, मनीष सिंह, डॉ.मुकेश श्रीवास्तव, पवन कुशवाहा, महेंद्र मिश्रा, मनीष पांडेय सहित देशभर से अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ.तिवारी को अपने शुभकामना प्रेषित किया है। समारोह में डॉ अनिल कुमार पाण्डेय (आईपीएस) सेनानायक 36 वीं वाहिनी पीएसी रामनगर, डॉ.आशुतोष मिश्रा, डॉ.पल्लवी मिश्रा, डॉ.उत्तम ओझा, डॉ.सुनील मिश्रा, श्रीमती नूपुर ओझा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थिति रहें।

जौनपुर सर्राफा एसोसिएशन एक मजबूत संगठनः दिनेश टण्डन

संगठन में ही शक्ति और संगठित रहने में ही भलाईः विधायक विनय वर्मा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। व्यवसाई संगठन से जुड़कर अपने आप को सुरक्षित महसूस करता है क्योंकि संगठन में ही शक्ति होता है और संगठित रहने में ही सभी की भलाई है। यह उद्गार रविवार को जौनपुर सराफा एसोसिएशन द्वारा आयोजित पदाधिकारियों के शपथ–ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ उत्तर प्रदेश के विधायक विनय वर्मा ने व्यक्त किया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि पूर्व चेयरमैन दिनेश टंडन ने कहा कि जौनपुर सराफा एसोसिएशन जनपद का एक मजबूत संगठन है। अपने छोटे बड़े सभी सर्राफ बन्धुओं के साथ हमेशा खड़ा रहता है। इसके सदस्य समाज के संभ्रांत नागरिक हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व ईश वंदना से हुआ। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार सेठ ने सभी का स्वागत किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील सेठ व बंशीधर वर्मा ने अतिथियों को बैज लगाकर व अन्य सर्राफ बन्धुओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने पहले अध्यक्ष राजकुमार सेठ एवं महामंत्री मधुसूदन बैंकर को एवं उसके बाद अन्य पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराया। विशिष्ट अतिथि पूर्व चेयरमैन दिनेश टंडन ने एसोसिएशन के समस्त कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ ग्रहण कराया। अध्यक्ष राजकुमार सेठ ने विशेष सहयोग, मार्गदर्शन व एसोसिएशन में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु अपने संगठन के संरक्षक नन्हेंलाल वर्मा, मानिक चंद सेठ, अरविंद कुमार बैंकर, दयाराम सेठ, प्रवीन सेठ एवं कार्यक्रम संयोजक विनीत सेठ को अंगवस्त्रम व माल्यार्पण कर सम्मान किया। महामंत्री मधुसूदन बैंकर ने एसोसिएशन की उपलब्धियों व छोटे और बड़े सभी सराफा बन्धुओं के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया। सभा को संरक्षक नन्हे लाल वर्मा, अरविंद कुमार बैंकर, विनीत सेठ, मानिक चंद सेठ के अलावा अनुराग वर्मा ने संबोधित किया। सभी ने एसोसिएशन द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज साहू, विनय बरौतिया, गौतम सोनी, निरंजन वर्मा,संजय माहेश्वरी, उपाध्यक्ष संजीव साहू, सन्तोष सेठ, दयाशंकर मोनू, कोषाध्यक्ष विनोद सेठ, मंत्री अजीत सोनी पत्रकार, अनिल वर्मा मोनू, शम्भूनाथ सोनी, संगठन मंत्री विष्णु सेठ गुड्डू, राजेश सेठ, मनोज वर्मा, देवी प्रसाद सेठ के अलावा प्रमुख रूप से हरीश वर्मा नोएडा, अशोक कुमार बैंकर, राधेश्याम सेठ, श्याम बाबू सेठ, कृष्ण कुमार सेठ, नीरज चेन, विवेक सेठ भोलू, कमलेश सेठ, मनोज साहू, महेश सेठ, दिपेंद्र टिल्लू, आसिफ, अयाज, घनश्याम साहू, राधेरमण जायसवाल, सुरेन्द्र प्रधान, रमेश सेठ संजीव यादव,विपिन सोनी अम्बेडकरनगर, कृष्ण कुमार जायसवाल,अजय गुप्ता, धर्मेंद्र सेठ, मनीष देव मंगल, मनीष गुप्ता,श्रवण जायसवाल, हफीज शाह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मधुसूदन बैंकर ने किया।

पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की जनपद स्तरीय जिला क्रियान्वयन समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया ।बैठक में जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा द्वारा विभाग द्वारा संचालित योजनाये यथा-एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना, ह्यह्यपर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन योजना एंव प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा योजनाओ के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी। एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत नवीन उद्यान रोपण कार्यक्रम के अर्न्तगत अमरूद की हाइब्रिड किस्मो जैसे ताइवान, ललीत इत्यादि को अधिक से अधिक लगाने हेतु सुझाव दिया गया साथ ही सभी विभागो को निर्देशित किया गया कि उद्यान विभाग द्वारा संचालित राजकीय पौधशालाओ पालीटेक्निक/ बक्शा से कलमी पौधे उचित दरो पर प्राप्त कर रोपण करवाना सुनिश्चित करें तथा शाकभाजी क्षेत्र विस्तार हेतु जिलाधिकारी द्वारा गमलो में सब्जी लगाने हेतु जनअभियान हेतु प्रेरित किया। पर ड्राप मोर क्रापह्ल माइक्रोइरीगेशन योजनान्तर्गत जिला उद्यान अधिकारी द्वारा योजना से होने वाले लाभ यथा- पानी, श्रम एंव समय की बचत तथा उत्पादन में वृद्धि की बात बतायी गयी एंव योजनान्तर्गत लघु सीमान्त कृषक को ड्रिप एंव मिनी स्प्रिंकलर में 90 प्रतिशत तक एंव पोर्टेबल पर 75 प्रतिशत तक की सब्सिडी अनुमन्य है। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा योजना का प्रचार-प्रसार कर कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन कराया जाये। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की समीक्षा करते हुए उद्यमियो के पंजीयन बढाने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही साथ बैठक में प्रतिभाग कर रहे एल0डी0एम0 को निर्देशित किया गया कि बैंको के मैनेजरो से समन्वय स्थापित कर योजनान्तर्गत लम्बित आवेदनो का अतिशीघ्र निस्तारण किया जाये साथ ही साथ उद्यमियो एंव किसानो की समस्याओ का त्वरित निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित लाभार्थी कृषको यथा-केला कृषक श्री संजीत सिंह डब्बू एंव मिनी स्प्रिंकलर के लाभार्थी कृषक सन्तोष कुमार सिंह व उद्यमी शन्नो सिंह द्वारा योजना का फीड बैक लिया गया।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, जिला विकास अधिकारी,वरिष्ठ कोषाधिकारी, प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र बक्शा व उप निदेशक कृषि, एल0डी0एम0 जिला कृषि अधिकारी आदि अधिकारीगण डी0आर0पी0 एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहें।

सायन कोलीवाड़ा में महाविकास आघाड़ी का प्रचार संपन्न

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। सायन कोलीवाडा विधानसभा के उम्मीदवार गणेश कुमार यादव के प्रचार के लिए आखिरी दिन रैली निकल गई यह रैली बरकत अली नाका से शुरू होकर जीटीबी नगर होते हुए पंजाबी कॉलोनी, प्रतिक्षा नगर, आंटापहिल, जैन सोसायटी, वडाला ट्रकटर्मिनस से निकाली गई। जिसमें उम्मीदवार गणेश कुमार यादव अध्यक्ष कचरु यादव, डॉ भोलानाथ चौहान, कल्पना यादव, बिन्नी भाई सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

यूरोग्रिप टायर्स ने पटना में ब्रांडेड रिटेल स्टोर खोला

पटना। भारत की अग्रणी टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर टायर ब्रांड, यूरोग्रिप टायर्स ने आज पटना में अपना ब्रांडेड रिटेल स्टोर का उद्घाटन किया, जो चेन्नई, मैसूर और अहमदाबाद के बाद देश में चौथा स्टोर है।स्टोर में मोटरसाइकिल, स्कूटर, ई-रिक्शा, थ्री-व्हीलर, अल्ट्रा-लाइट ट्रक और छोटे कमर्शियल वाहनों के लिए विभिन्न प्रकार के टायर्स और ट्यूब्स की विस्तृत रेंज उपलब्ध होगी। यूरोग्रिप ने सहायक श्रेणियों के ब्रांड्स के साथ साझेदारी की है और यहां बैटरी, लुब्रिकेंट्स, और राइडिंग एक्सेसरीज - जैसे हेलमेट, जैकेट्स और ग्लव्स अन्य सामान भी उपलब्ध होंगे। यह में ऐसा एकमात्र स्टोर होगा जहां टू-व्हीलर वाहनों के टायर एलाइनमेंट और व्हील बैलेंसिंग की सुविधा मिलेगी। उद्घाटन के अवसर पर, पी. माधवन, एग्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट, मार्केटिंग और सेल्स, टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेडने कहा, ₹हमें पूर्वी क्षेत्र पटना में अपने ब्रांडेड रिटेल वर्टिकल का विस्तार करने की बड़ी संभावनाएं दिख रही हैं। पटना इस दिशा में एक प्रोत्साहित करने वाला पहला कदम होगा। हम पटना को एक बहुत ही संभावित मार्केट के रूप में देखते हैं क्योंकि शहर में टू-व्हीलर वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शहर में बढ़ती मांग को पूरा करने और क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए यहां रिटेल स्टोर स्थापित करने को लेकर हमें खुशी हो रही है।₹स्टोर में टायर फिटमेंट, टायर की देखभाल और पंचर रिपेयर, एयर प्रेशर चेक, फिलिंग स्टेशन और अन्य सेवाएं जैसे लुब्रिकेंट और इंजन ऑयल बदलने जैसी सुविधाएं उपलब्ध होगी। साथ ही, यह स्टोर वारंटी से संबंधित सवालों का समाधान भी करेगा। यूरोग्रिप टायर्स अपने रिटेल नेटवर्क को और मजबूत करने के लिए देशभर में ऐसे कई और स्टोर खोलने की योजना बना रहा है ।ग्राहक यूरोग्रिप की सेवाओं का अनुभव इस नए स्टोर पर ले सकते हैं: जो श्री शुभम सेल्स एंड सर्विसेज, ग्राउंड फ्लोर - नंद होटल, आर.के. भट्टाचार्य रोड, पटना 800 001, बिहार में स्थित है।

सायन जैन सोसायटी के कांग्रेस नेता राजेश ठक्कर ने कांग्रेस को किया बाय-बाय,भाजपा में शामिल

राजकुमार अग्रहरी

मुम्बई (उत्तर शक्ति)। सायन कोळीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश ठक्कर (राजू भाई ठक्कर) मुम्बई बीईएसटी (बेस्ट) के पूर्व सदस्य रहे कांग्रेस के जिला सचिव राजेश ठक्कर ने महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और रविराजा की उपस्थित में भाजपा में शामिल हुए। उसी दिन अजय तिवारी भी भाजपा में शामिल हो कर कांग्रेस को अलविदा कहा। कांग्रेस व महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवार गणेश कुमार यादव की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही है। बता दें कि दिवाली के दिन गुरुवार को सुबह भारतीय जनता पार्टी में पूर्व नगरसेवक रवि राजा पांच बार लगातार नगर सेवक रहे और बृहन्मुंबई महानगर पालिका में विपक्ष के नेता पद पर रह कर बहुत ही अच्छे ढंग से कार्य का निर्वाहन किया। रवि राजा कांग्रेस पार्टी में 44 साल सेवा करने के बाद कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह दिया था और भाजपा में शामिल हो गए थे । रवि राजा को भाजपा में मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति किया गया था। अब कांग्रेस के तेजतर्रार अपने समाज में बर्चस्व रखने वाले और स्थानीय लोगों के लिए दिन रात सेवा करने वाले राजेश ठक्कर (राजू भाई) ने भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। राजेश ठक्कर पूर्व विधायक स्वर्गीय एकनाथ गायकवाड के दाहिने हाथ कहे जाते थे। मुंबई प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती वर्षा एकनाथ गायकवाड के परिवार वादी होने के कारण व तानाशाही रवैए को देखते हुए कांग्रेस पार्टी को अलविदा कह कर भाजपा में शामिल हो गए।

सुनील शेट्टी ने एसटेक में जीएम मॉड्यूलर स्टॉल की शोभा बढ़ाई

मुंबई। आधुनिक जीवन के लिए भारत के अग्रणी विद्युत समाधान ब्रांड जीएम मॉड्यूलर ने एसटेक मुंबई 2024 में अपने शानदार शोकेस का समापन किया, जिसमें उद्योग के पेशेवरों और आगंतुकों से समान रूप से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में हाल ही में आयोजित चार दिवसीय प्रदर्शनी में जीएम मॉड्यूलर के प्रभावशाली 5,500+ वर्ग फुट प्रदर्शनी स्थान ने हजारों उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम की सफलता पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए, जयंत जैन सीईओ जीएम मॉड्यूलर ने कहा, एसीटेक मुंबई 2024 में मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने अभिनव इलेक्ट्रिकल समाधानों में उद्योग के नेताओं के रूप में हमारी स्थिति की पुष्टि की है। हमारी एसेंस सीरीज और मोबाइल शोरूम अवधारणा के लिए आगंतुकों द्वारा दिखाया गया उत्साह दशार्ता है कि हम अत्याधुनिक तकनीक को असाधारण डिजाइन के साथ जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।₹ प्रदर्शनी स्थल में कई अनुभवात्मक क्षेत्र शामिल थे, जिनमें जीएम मॉड्यूलर के उत्पादों की व्यापक रेंज प्रदर्शित की गई थी, जिसमें परिष्कृत होम ऑटोमेशन सिस्टम से लेकर समकालीन कार्यालय समाधान, अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था, ऊर्जा-कुशल बीएलडीसी पंखे और प्रीमियम संगीत सहायक उपकरण शामिल थे।

प्रोफेसर जावेद खान के व्यक्तित्व पर आधारित पुस्तक एवं वृत्तचित्र का प्रकाशन

मुंबई। पूर्व शिक्षा मंत्री और आवास मंत्री प्रोफेसर जावेद खान की सेवाओं को मान्यता देने और नई पीढ़ी को उनके दृष्टिकोण और मिशन से परिचित कराने के लिए, जोगेश्वरी पश्चिम के वाशिवारा स्थित एचके कॉलेज ऑडिटोरियम में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। प्रो. जावेद खान के व्यक्तित्व पर आधारित एक पुस्तक ₹यादों के द्रिचुन सेट (संकलक: सैयद खालिद अकबर अली) और उनके जीवन पर आधारित एक वृत्तचित्र फिल्म (निर्देशक: इकबाल नियाजी), (पटकथा लेखक: मुहम्मद रफीक शेख) को मुख्य अतिथी पद्मश्री डॉ. जहीर काजी, डॉ. शेख अब्दुल्ला और अन्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। अतिथियों का स्वागत करने के बाद वसीम जावेद खान ने अपने पिता के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला और उन्हें अपना आदर्श बताया। डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इसे दर्शकों ने खूब सराहा। मुख्य अतिथि डॉ. शेख अब्दुल्ला ने अपने संबोधन में प्रोफेसर जावेद खान के कार्यों का उल्लेख किया और उनकी पत्नी हुमेरा जावेद खान को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके सहयोग के बिना यह सब असंभव होता। पद्मश्री डॉ. जहीर काजी ने अपने भाषण में प्रोफेसर जावेद खान के व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और उन्हें एक बेहतरीन इंसान बताते हुए उनके व्यक्तित्व पर बड़े पैमाने पर बैठक करने और उनकी उपलब्धियों को जनता के सामने पेश करने की जरूरत पर जोर दिया ऐसा करने के लिए, उन्होंने स्वयं को इस कार्य के लिए प्रस्तुत किया। मिर्जा निसार बेग (पूर्व शिक्षा अधिकारी, मुंबई) ताजुद्दीन हमदुले, निसार खान (उप शिक्षा अधिकारी), फारूक सैयद (निर्देशक गुलबोटे), डॉ. जाकिर खान जाकिर (प्रसिद्ध कवि और व्याख्याता), इकबाल नियाजी (प्रसिद्ध नाटककार) मुहम्मद रफीक शेख (प्रसिद्ध पत्रकार), प्रिंसिपल राशीद काजी (ताबिया कॉलेज अंधेरी), शाह अशफाक (एओ, बीएमसी स्कूल) सैयद आबिद अली (प्रिंसिपल अंजुमन शान मिल्लत), शेख अखलाक अहमद (प्रख्यात करियर काउंसलर), अजहर हुसैन सर (मदनी हाई स्कूल), सैयद खालिद अकबर अली (शिक्षक और लेखक) और प्रोफेसर शहजाद (महाराष्ट्र कॉलेज) ने विशेष रूप से भाग लिया धन्यवाद ज्ञापन की रस्म अजीम जावेद खान, प्रिंसिपल अजीज सर (ओरिएंटल कॉलेज अंधेरी) और बी.एड. के परिवार ने निभाई। स्टाफ और विद्यार्थियों का भरपूर सहयोग मिला।

शिक्षा से विकास के रास्ते पर बढ़ेगा समाज

मुंबई । कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के वार्षिक समारोह एक शाम कारपेंटरों के नाम कार्यक्रम में अधिवक्ता तूफानी सूर्यबली विश्वकर्मा ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को हर क्षेत्र में सक्षम बनाने के लिए हमें शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरुरत है. मालाड (पश्चिम) स्थित श्री धुडमल बजाज हॉल में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि जिस समाज ने शिक्षा को अपनाया वह विकास के रास्ते पर आगे बढ़ता गया. शिक्षा से कल्चर में बदलाव होता है. हमें खुशी है कि शिक्षा के प्रति युवाओं में चेतना जागी है लेकिन हम अभिभावकों से कहना चाहते हैं कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करें. इस अवसर पर तूफानी सूर्यबली विश्वकर्मा को पत्रकार ब्रजमोहन पांडेय के हाथों विश्वकर्मा समाज का प्रतिष्ठित सम्मान श्री विश्वकर्मा समाज रत्न से सम्मानित किया गया.

बतौर मुख्य अतिथि पत्रकार ब्रजमोहन पांडेय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाओं का मूल उद्देश्य समाज हित होना चाहिए. इस शहर को संवारने में विश्वकर्मा समाज का अहम योगदान है, इस समाज ने अपने सामाजिक एकता के बलबूते विश्वकर्मा समिति भवन का निर्माण किया है जो अन्य समाज के लिए प्रेरणा देता है. उन्होंने कहा कि संगठित समाज के लिए हर क्षेत्र में विकास के द्वार खुले रहते हैं. हिंदीभाषी समता संघ के अध्यक्ष पत्रकार हरिगोविंद विश्वकर्मा ने कहा कि समाज में युवाओं के लिए शैक्षणिक विकास कार्यक्रम होना चाहिए। समाज में जो युवा विद्यार्थी हैं उनके लिए मार्गदर्शन कार्यक्रम के साथ शिक्षा के लिए कई उपक्रम चलाये जाना चाहिए. समारोह में बीजेपी ओबीसी मोर्चा मुंबई अध्यक्ष नरेंद्र गांवकर, घनश्याम पंवार, लालजी विश्वकर्मा आदि ने भी विचार रखे. लिंक लॉक्स, यूरो ग्लू और दिव्यराज कॉम्प्लेक्स प्रायोजित समारोह में लोक गायिका पूनम विश्वकर्मा और उनके ग्रुप ने सुरों का जादू बिखेरा, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा गया। कार्यक्रम का संचालन गंगाराम विश्वकर्मा ने किया। कारपेंटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष वशिष्ठनारायण विश्वकर्मा व महासचिव दिनेश विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम को सोशल सपोर्ट हिंदीभाषी समता संघ ने दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कारपेंटर समुदाय के लोग उपस्थित रहे.

धान की कटाई करते समय महिलाओं के समूह पर जानवर ने बोला हमला, दो महिला हुई जख़्मी

-प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र की कोनिया गांव में घर से लगभग 500 मीटर दूर खेत में धान काटते समय महिलाओं के समूह पर तेंदुआ हमला कर दिया ।जिसमे महिला समेत दो को जख्मी कर दिया दोनों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। उक्त थाना क्षेत्र के कुहीयां गांव निवासी ,सुरदती उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी शिव पूजन, ममता उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्री बांकेलाल परिजन समेत कोनिया गांव में मंगलवार धान काट रहे थे। जख्मी लोगों के परिजन का कहना है कि तेंदुआ ने अचानक हमला करके दोनों को जख्मी कर दिया। सभी ने शोर मचाते हुए उसे दौड़ाया तो वह भाग निकला। नहीं तो काम कर रहे कई लोगों को वह जख्मी कर देता। ग्रामीणों में अचानक तेंदुआ के देखे जाने से सभी में भय बना हुआ है। परिजनों ने बताया कि तेंदुआ ने हमला किया है ।जब इस संबंध में सरायख्वाजा थाना अध्यक्ष से दूरसंचार के माध्यम पूछा गया तो उन्होंने बताया।अभी कुछ देर आपको सूचना देते है समाचार लिखे जाने तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली थी ।जैसे तेंदुआ बिलरा भी हो सकता है यह तो संबंधित विभाग के लोगों द्वारा ही बताया जा सकता है।

आईटीसी आशीर्वाद स्वस्ति ने एक भावपूर्ण गीत लॉन्च किया

देवघर। आईटीसी आशीर्वाद स्वस्ति ने छठ पूजा के अवसर पर एक भावपूर्ण गीत लॉन्च किया था, जिसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गायिका 'रेखा भारद्वाज' की आवाज है। परंपरा और संगीत कला के प्रेरक मिश्रण में, यह गीत त्योहार के गहरे सांस्कृतिक महत्व का उत्सव मनाता है, जिसे रेखा भारद्वाज की शक्तिशाली और भावनात्मक आवाज के माध्यम से दशार्या गया था। यह गीत अलाइव इंडिया म्यूजिक फाउंडेशन के साथ मिलकर बनाया गया था, जिसके नेतृत्व गायक, संगीतकार और गीतकार सुप्रतीक घोष हैं। यह गीत बिहार के प्रिय छठ पूजा त्योहार को समर्पित था, जो भक्तों की अपने परिवारों के लिए आशीर्वाद पाने की भावना को उजागर करता है। आशीर्वाद स्वस्ति और अलाइव इंडिया के बीच यह पुरस्कार विजेता साझेदारी, स्थानीय संगीत के द्वारा आशीर्वाद स्वास्ति ब्रांड को रोजमर्रा की जिंदगी में शामिल करती है, साथ ही भारत की सांस्कृतिक धरोहर को सम्मान करती है। इस सहयोग पर बोलते हुए, रेखा भारद्वाज ने कहा, ₹मेरे लिए पहला छठ पूजा गीत बनाना एक बहुत ही खुशी की बात रही है। यह हमारे धरोहर के प्रति एक श्रद्धांजलि है, जो हमारी समृद्ध संस्कृति और समुदाय का उत्सव मनाती है। विवेक कुक्कल, वाइस प्रेसिडेंट और हेड, डेयरी एंड बेवरेज, आईटीसी ने कहा, ₹छठ पूजा सिर्फ एक त?योहार नहीं है, यह बिहार की सांस्कृतिक धरोहर का एक अभिन्न हिस्सा है, जो शुद्धता और एकता का प्रतीक है। आशीर्वाद स्वस्ति इस त्योहार का जश्न मनाने के लिए सम्मानित महसूस करता है जो हमारे मूल्यों के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

कौशल विकास और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रियता से योगदान दे रहे हैं

मुबई। स्थानीय लोगों में शिक्षा एवं कौशल विकास: बजट आवंटन के तहत अनुमोदित मुख्य शैक्षणिक प्रयासों में शामिल हैं- आस्था गुरूकुल, सक्षम और छूलो आसमान का संचालन एवं संवर्धन। जो गीदाम में एनएमडीसी द्वारा स्थापित शैक्षणिक हब के मुख्य अवयव हैं। एनएमडीसी ने शिक्षा में सुधार लाने की प्रतिबद्धता के साथ ये संस्थान स्थापित किए, जिन्होंने दिव्यांगों सहित बच्चों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और लर्निंग के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दूर-दराज के इलाकों में पुस्तकालयों की स्थापना, साक्षरता एवं कौशल विकास के प्रोत्साहन तथा शैक्षणिक संस्थानों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिए अनुमोदन दिया जा चुका है। सशक्त हेल्थकेयर सिस्टम को सुनिश्चित करना: एनएमडीसी इन स्थानों में हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत बनाने का महत्व समझती है। और इसीलिए स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण, सौर-ऊर्जा से संचालित सिस्टम के इंस्टॉलेशन, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों के प्रावधान, दूर-दराज के इलाकों में सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तीकरण में सक्रिय रही है ताकि स्थानीय लोगों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके। पोषण एवं बाल कल्याण को प्रोत्साहन: महिलाओं एवं बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में अपने सीएसआर प्रयासों के तहत एनएमडीसी आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जो बच्चों, खासतौर पर प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए बेहतर पोषण को सुनिश्चित करते हैं। बुनियादी सुविधाओं का विकास: राज्य के ग्रामीण इलाकों में कनेक्टिविटी एवं रहन-सहन के मानकों में सुधार लाने के लिए सड़कों, सामुदायिक हॉल्स एवं अन्य ग्रामीण विकास परियोजनाओं का विकास, एनएमडीसी की प्राथमिकता बनी हुई है। संगठन सुनिश्चित करता है कि हमारी परियोजनाओं के आस-पास रहने वाले स्थानीय लोगों की सभी बुनियादी जरूरतें पूरी हों और इनमें सुधार लाया जाए।

भदोही सपा विधायक जाहिद बेग की फरार पत्नी सीमा बेग की संपत्ति कुर्क

नौकरानी की आत्महत्या का मामला

-पूजा गुप्ता

भदोही(उत्तरशक्ति)। बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी के मामले में दो माह से फरार चल रहीं भदोही विधायक जाहिद बेग की पत्नी सीमा बेग की संपत्ति आज यानी सोमवार को कुर्क कर दी गई। एमपी एमएलए कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश पर पुलिस ने उनके मलिकाना आवास पर कार्रवाई की। विधायक के तीन मंजिला आवास में घरेलू नौकरानी नाजिया ने 8 सितंबर को आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने जांच आदि के बाद 10 सितंबर को विधायक, उनकी पत्नी व बेटे जईम बेग के खिलाफ बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी और आत्महत्या के लिए उकसाने समेत अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने उनके बेटे को 18 सितंबर को गिरफ्तार किया था तो विधायक ने 19 सितंबर को न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया था। मौजूदा समय में विधायक नैनी जेल और उनका बेटा वाराणसी जेल में बंद है. फरार विधायक की पत्नी को न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश दिया गया था। कोर्ट के नोटिस का समय बीतने के बाद भी न्यायालय में उपस्थित न होने पर भदोही कोतवाली के विवेचक कमलेश कुमार ने विधायक की पत्नी की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी करने के लिए न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया था।एमपी एमएलए कोर्ट की न्यायाधीश साधना गिरी ने उनकी संपत्ति की कुर्की करने का आदेश जारी किया था।न्यायालय के आदेश पर सोमवार को पहुंची पुलिस ने कार्रवाई की।एसपी तेजवीर सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर विधायक के तीन मंजिला मकान को कुर्क किया गया है। विधायक की पत्नी सीमा बेग न्यायालय के आदेश के बाद भी हाजिर नहीं हुई. जिसके चलते कुर्की की कार्रवाई का आदेश जारी हुआ। आज उसके अनुपालन में पुलिस ने कार्रवाई की है।

केएफसी के फैन फेवरीट्स के साथ एपिक स्वाद का आनंद लें

पटना। ब्रांड अपने नए कैंपेन झ टेस्ट द एपिक में सभी को केएफसी के एपिक स्वाद का आनंद लेने के लिए आमंत्रित कर रहा है। पिछले तीन दशकों से पूरे देश में केएफसी के फैन फिंगर लिकिंग गुड क्रिस्पी चिकन का स्वाद ले रहे हैं। इस नवंबर केएफसी अपने फैन फेवरीट्स की बेस्ट-सेलिंग रेंज - मशहूर हॉट एंड क्रिस्पी चिकन, हॉट

प्रमोद नंदगावकर को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

मुंबई। सोमवार के दिन महाराष्ट्र प्रदूषण मंडळ प्रशासकीय अधिकारी डॉ.प्रमोद नंदगावकर को उनके जनसंपर्क कार्यालय सायन (पूर्व) मुंबई में शॉल देकर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) समेत अन्य लोगों मौजूद थे।

भाजपा द्वारा निकाली बाईक रैली

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी स्नेहा दुबे की तरफ से वसई मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर द्वारा एक भव्य बाईक रैली निकाली गई। जिसमे हजारो की संख्या में युवक युवतिओं ने हिस्सा लिया। पुरा वसई शहर जैसे की भाभोला, सेसुरु, अग्रवाल, आयप्पा मंदिर, माणिकपूर, स्टेशन रोड, आनंद नगर, साईनगर, सन सिटी दिवाण-मन जैसे विविध एरिया में भारतीय जनता पार्टी का प्रचार किया। इस रैली का आयोजन वसई मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर , अर्जुन इंगोले, चेतन पगी ने किया। रैली को सफल बनाने का प्रयत्न हर भारतीय जनता पक्ष पदाधिकारी कार्यकर्ता किया। इस रैली को सफर बनाने में वसई शहर युवा मोर्चा अध्यक्ष कल्पेश पांडे ने अपने कार्यकर्ता पदाधिकारी के साथ सफल बनाया।

मतदाताओं से मतदान करनें की अपील: आदेश मिश्र

मुंबई। मुंबई सहित महाराष्ट्र के समस्त नागरिकों से पत्रकार आदेश मिश्र ने अपील की है कि आज बुधवार 20 नवंबर को महाराष्ट्र के सभी 288 विधानसभा सीटो पर एक चरण मे मतदान हो रहा है. आप सभी लोकतंत्र के इस पर्व को महाराष्ट्र का पर्व बनाकर माताएं एवं भाई बहनों अपने अपने घरों मे से निकल कर मतदान अवश्य करें। आज महाराष्ट्र के विकास के लिए आपका हर एक वोट का महत्व है। चुनावी परिस्थितियां पहले से बहुत विपरीत है। इसलिए आज सभी को समुदाय से ऊपर उठकर महाराष्ट्र के विकास के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें।

दलित नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष की कैद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।अपर सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो) उमेश कुमार की अदालत ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को दोष सिद्ध पाते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपये अर्थ दंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार पीड़िता ने चंदवक थाने में मुकदमा पंजीकृत करवाया कि उसके बड़े पापा की कॉपी किताब की दुकान थी। जिस पर पंकज मौर्या पुत्र महेंद्र निवासी विशुनपुर बजरंग नगर थाना चंदवक का आना-जाना था। जिससे उसकी जान पहचान हो गई। दो वर्ष पूर्व शादी का झांसा देकर, आधार कार्ड में नाम व उम्र बदलकर, बनारस के होटल में ले जाकर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया और फोटो तथा वीडियो भी बना लिया। जिसके आधार पर वह ब्लैकमेल करता था। गर्भवती होने पर जबरदस्ती दवा खिलाकर गर्भपात करवा दिया।